ALIVE NEWS

अलाईव न्यूज

Any Enquiry Cont. : 0129-4070270

खबर वही, जो जिंदा रहे!

Vol. 12 Issue No. 09 Faridabad (NCR) Thursday, 01-15 June 2023 Rate : 5 /- RNI No. : HARBIL/2012/45536 Postal Registration No. L-2/HR/FBD/296/21-23 Page : 8

प्रधानमंत्री ने सऊदी क्राउन प्रिंस से की टेलीफोन पर बात, सूडान से भारतीयों को निकालने में सहयोग के लिए दिया धन्यवाद

New Delhi/Agency

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज क्राउन प्रिंस और सऊदी अरब के

प्रधानमंत्री प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद के साथ टेलीफोन पर बातचीत की।दोनों नेताओं ने इस दौरान द्विपक्षीय सहयोग के कई मुद्दों की समीक्षा की और आपसी हित के विभिन्न बहुपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने अप्रैल 2023 में जेद्दा के रास्ते सूडान से भारतीय नागरिकों को निकालने के दौरान सऊदी अरब के सहयोग के लिए क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को धन्यवाद दिया। उन्होंने आगामी हज यात्रा के लिए अपनी शुभकामनाएं भी दीं। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने जी20 प्रेसीडेंसी के हिस्से के रूप में भारत की पहल के लिए अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया और कहा कि वह अपनी भारत यात्रा के लिए उत्सुक हैं। दोनों नेता संपर्क में रहने पर सहमत हुए।

यौन उत्पीड़नः राजस्थान सरकार को एनएचआरसी ने जारी किया नोटिस

New Delhi/Agency

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने डूंगरपुर के एक सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक द्वारा छह छात्राओं के यौन उत्पीड़न के मामले को लेकर गुरुवार को राजस्थान के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया। एनएचआरसी की ओर से जारी एक बयान में कहा

गया है कि आयोग ने चार सप्ताह के भीतर मामले में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने कहा कि रिपोर्ट में पुलिस द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी की स्थिति, प्रधानाध्यापक के खिलाफ की गई कार्रवाई और पीड़ितों को दिए गए मुआवजे की स्थिति भी शामिल होनी चाहिए। आयोग ने यह भी जानना चाहा है कि क्या इस आघात के पीड़ितों को कोई परामर्श प्रदान किया गया है। आयोग ने राजस्थान के डूंगरपुर जिले के एक सरकारी स्कूल के प्रधानाध्यापक द्वारा 06 से 09 वर्ष की आयु के छह छात्रों का यौन उत्पीड़न करने वाली मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया। कथित तौर पर, उसे गिरफ्तार कर लिया गया था। उल्लेखनीय है कि पांच जून को जारी मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानाध्यापक ने पाठ्येतर गतिविधियों के बहाने छात्राओं को गर्मी की छुट्टी के दौरान भी स्कूल बुलाया और उनका यौन उत्पीड़न किया। पीड़ितों ने 31 मई को मामले की सूचना पुलिस को दी।

देश में कोरोना के 169 नये मामले

New Delhi/Agency

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 169 नये मामले सामने आये है और इसी अवधि में दो व्यक्ति की मौत हो गयी।

इस बीच, देश में कोरोना टीकाकरण भी जारी है और पिछले 24 घंटों में 887 लोगों को टीका लगाया गया है। अब तक देश में 2,20,67,28,887 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक देश में कुल संक्रमितों की संख्या 4,49,92,462 हो गयी है। सक्रिय मामलों की संख्या 132 घटकर 2,555 रह गयी है। वहीं मृतकों की संख्या बढ़कर 5,31,888 हो गयी है। इसी अवधि में कोरोना संक्रमण से स्वस्थ होने वालों का आंकड़ा 299 बढ़कर 4,44,58,019 पर पहुंच गया है।

देश में पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में सक्रिय मामलों की संख्या में छह की वृद्धि हुई है। इसके अलावा, हरियाणा और सिक्किम में दो-दो, आन्ध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़ और राजस्थान में क्रमशः एक-एक मामला बढ़ा है। पिछले 24 घंटे में बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, ओडिशा, पुडुचेरी, पंजाब, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में कोरोना के मामलों में कमी पायी गयी है। इसके अलावा उत्तर प्रदेश में इस बीमारी से दो मरीज की मौत हुई है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में मोदी सरकार ने 9 साल में क्या-क्या किया, अमित शाह ने गिनाई उपलब्धियां

New Delhi/Agency

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार की नौ साल के दौरान हेल्थ सेक्टर की उपलब्धियों का जिक्र किया। शाह ने कहा कि पिछले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश के स्वास्थ्य ढांचे में सुधार कर उसे दूरदराज में गांवों तक पहुंचाया है। शाह ने कहा कि सरकार ने गरीबों के लिए पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज सुनिश्चित किया है। शाह ने ट्वीट कर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने एक ऐसा भविष्य पाया है जहां स्वास्थ्य सेवा अब विशेषाधिकार नहीं रह गई है। उन्होंने कहा कि पिछले नौ साल के कार्यकाल में 'सभी के लिए स्वास्थ्य' के तहत भारत ने अपने स्वास्थ्य ढांचे में सुधार कर उसे निचले स्तर तक पर पहुंचाया। गरीबों के लिए पांच लाख रुपये तक का मुफ्त उपचार सुनिश्चित किया गया।'

आयुष्मान भारत योजना प्रमुख पहल

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा को सभी की पहुंच में लाने के लिए टेक्नोलॉजी की परिवर्तनकारी शक्ति का उपयोग किया। उन्होंने कहा कि चाहे वह एंटी कोविड-19 वैक्सीन हो, टेलीमेडिसिन, अस्पताल में रजिस्ट्रेशन हो या स्वास्थ्य रिकॉर्ड तक पहुंच की बात हो। स्थ्य सेवा अब नागरिकों की उंगलियों पर उपलब्ध है। अधिकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के लिए मोदी सरकार की प्रमुख पहल आयुष्मान भारत

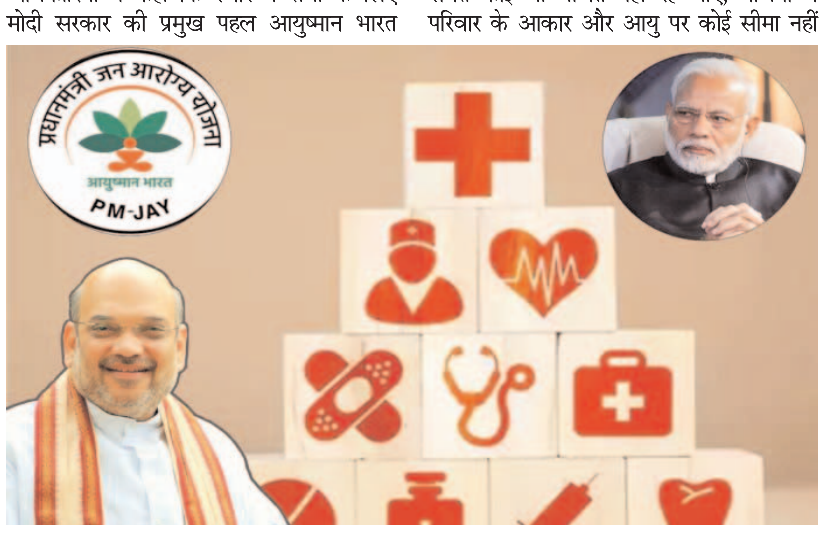

योजना को लागू करना है। इसके तहत पात्र लोगों को प्रति वर्ष प्रति परिवार पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य लाभ बीमा उपलब्ध होगा।

योजना में कोई आयु सीमा नहीं

यह सुनिश्चित करने के लिए कि योजना के लाभ से विशेष रूप से महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग समेत कोई भी वंचित नहीं रह जाए, योजना में परिवार के आकार और आयु पर कोई सीमा नहीं रखी गई है। अधिकारियों ने कहा कि योजना के तहत अस्पताल में भर्ती होने से पहले और बाद के खर्च भी शामिल हैं और पहले से मौजूद सभी शर्तें बीमा के पहले दिन से कवर की जाती हैं। योजना के तहत, लाभार्थी को अस्पताल में भर्ती होने पर परिवहन भत्ता भी दिया जाता है।

भगवान बिरसा मुंडा को कृतज्ञ राष्ट्र सदैव याद रखेगा : प्रधानमंत्री मोदी

New Delhi/Agency

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदिवासी समुदाय में भगवान के रूप में पूजे जाने वाले धरती आबा बिरसा मुंडा की 123वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को उन्हें नमन किया और कहा कि कृतज्ञ राष्ट्र सदैव उन्हें याद रखेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट किया, 'भगवान बिरसा मुंडा जी की पुण्यतिथि पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उन्होंने विदेशी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। आदिवासी समुदाय के उत्थान के लिए उनके समर्पण और सेवाभाव को कृतज्ञ राष्ट्र सदैव याद रखेगा।'

भाजपा कार्यालय सिर्फ कार्यालय नहीं, यह हमारे 'संस्कार केंद्र' हैं: जेपी नड्डा

भाजपा दिल्ली प्रदेश कार्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम में रखे विचार

New Delhi/Agency

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने शुक्रवार को दिल्ली प्रदेश कार्यालय की आधारशिला रखी। दिल्ली प्रदेश कार्यालय के भूमि पूजन कार्यक्रम में नड्डा ने कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

उन्होंने इस अवसर पर कहा कि हमारे कार्यालय सिर्फ कार्यालय नहीं हैं, यह हमारे 'संस्कार केंद्र' हैं। हमारी पार्टी अन्य पार्टियों से अलग है। सारी पार्टियां विचार से शून्य की तरफ जा रही हैं, जबकि हमारी पार्टी विचारों पर खड़ी है। आज देश में कोई ऐसी पार्टी नहीं है जो एक विचारधारा के लिए सतत चलती रही हो और उसको पूरा करे। उन्होंने कहा कि देशभर के सभी

जिलों में भाजपा कार्यालय स्थापित करने की कल्पना की ओर पार्टी अग्रसर है। आज 500 से अधिक पार्टी कार्यालय पहले से ही चालू हैं और लगभग 166 कार्यालयों का निर्माण किया जा रहा है। आज का दिन उन सभी लोगों को याद करने का भी दिन है जिन्होंने दिल्ली प्रदेश में भाजपा की लंबी यात्रा में अपना योगदान दिया है। एक बार स्थापित होने के बाद, भाजपा दिल्ली का नया राज्य कार्यालय भाजपा कार्यकर्ताओं को विचारशील चर्चा करने, रणनीति बनाने, पार्टी का विस्तार करने और राष्ट्र को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में सक्षम बनाने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा।

प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा देना सरकार की प्राथमिकता : मांडविया

New Delhi/Agency

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मांडविया ने नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए शुक्रवार को कहा कि गरीबों को भी अमीरों के समान चिकित्सा सुविधा मिलनी चाहिए। मांडविया ने चंडीगढ़ और पंचकूला में सीजीएचएस आरोग्य केंद्रों की शुरुआत करते हुए कहा कि देश के प्रत्येक नागरिक को सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना सरकार की प्राथमिकता है। यह सुनिश्चित करने के लिए, सीजीएचएस सुविधाओं का विस्तार सरकार के लिए एक फोकस क्षेत्र बन गया है, ताकि लोग देश में कहीं भी रहें, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर चंडीगढ़ से संसद सदस्य किरण खेर भी उपस्थित रही।केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गरीबों की सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा

तक समान पहुंच सुनिश्चित करना मोदी सरकार के लिए हमेशा प्राथमिकता रही है। इन दो आरोग्य केंद्र के खुलने से न केवल चंडीगढ़-पंचकुला-मोहाली ट्राइसिटी क्षेत्र में बल्कि पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के आस-पास के क्षेत्रों में रहने वाले पेंशनभोगियों को होने वाली कठिनाइयों को कम करने में मदद मिलेगी। इसके साथ, सीजीएचएस शहरों की संख्या 2014 में 25 शहरों से बढ़कर 2023 में 80 हो गयी है।

सुप्रीम कोर्ट ने 2000 के नोट पर शीघ्र सुनवाई की गुहार फिर ठुकराई

New Delhi/Agency

उच्चतम न्यायालय ने 2000 रुपये के नोट को बिना किसी वैध पहचान पत्र के बदलने के मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय की अनुमति संबंधी फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर एक बार फिर शुक्रवार को शीघ्र सुनवाई करने से इनकार कर दिया। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति राजेश बिंदल की अवकाशकालीन पीठ ने अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर शीघ्र सुनवाई की गुहार को ठुकराते हुए कहा कि इस मामले में जल्दबाजी करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

पीठ ने कहा कि इस अदालत द्वारा इस मामले में गत एक जून को दिए गए आदेश पर अमल किया जाए जिसमें गर्मी की छुट्टियों के बाद सुनवाई करने पर सहमति व्यक्त की गई है। इससे पहले न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने श्री उपाध्याय की ओर से दायर अपील पर शीघ्र सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से एक जून को इनकार करते हुए कहा था कि याचिकाकर्ता गर्मी की छुट्टियों के बाद मुख्य न्यायाधीश के समक्ष इस मामले का उल्लेख कर सकते हैं। अधिवक्ता श्री उपाध्याय ने उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ 24 मई को शीर्ष अदालत में अपील दायर की थी। अगले दिन उन्होंने इस मामले को 'विशेष उल्लेख' के दौरान उठाया था। अपील में कहा गया है कि 29 मई 2023 का दिल्ली उच्च न्यायालय का फैसला न्यायोचित नहीं है।याचिकाकर्ता का तर्क है कि 19

और 20 मई को जारी भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की अधिसूचना ने अवैध धन को वैध बनाने का अवसर दिया है। इसलिए स्पष्ट रूप से यह अधिसूचना मनमाना, तर्कहीन और समानता के मौलिक अधिकार के नियमों का उल्लंघन है।

उच्च न्यायालय ने 29 मई को श्री उपाध्याय की जनहित याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि यह विशुद्ध रूप से बैंकनोटों की वापसी से संबंधित नीतिगत निर्णय है और इसे विकृत या मनमाना नहीं कहा जा सकता है या इसने काले धन, मनी लॉन्ड्रिंग, मुनाफाखोरी या भ्रष्टाचार को बढ़ावा दिया है।

श्री उपाध्याय ने शीर्ष अदालत के समक्ष दायर अपनी विशेष अनुमति याचिका में कहा है कि उच्च न्यायालय यह मानने में विफल रहा कि आरबीआई अधिसूचना में स्वीकार करता है कि प्रचलन में 2000 रुपये के नोटों का कुल मूल्य 6.73 लाख करोड़ रुपये से घटकर 3.62 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

याचिका में आगे कहा गया है कि इसका मतलब है कि 3.11 लाख करोड़ लोगों के लॉकर में पहुंच गए हैं और बाकी जमाखोरी कर दी गई है।

याचिकाकर्ता अधिवक्ता ने यह भी दावा किया कि अधिसूचनाएं भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, बेनामी लेनदेन अधिनियम, मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम, लोकपाल अधिनियम, सीवीसी अधिनियम, भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम और काला धन अधिनियम के उद्देश्यों और उद्देश्यों के विपरीत थीं।

श्री उपाध्याय ने यह भी तर्क दिया है कि लगभग 30 करोड़ परिवारों के पास 130 करोड़ आधार कार्ड हैं। इसी तरह 225 करोड़ बैंक खाते हैं, जिनमें 48 करोड़ जन धन खाते शामिल हैं। याचिका में कहा गया है कि बैंक खाते में जमा किए बिना या किसी भी प्रकार की पर्ची और पहचान प्रमाण प्राप्त किए बिना 2000 रुपये के नोटों को बदलने की अनुमति देना स्पष्ट रूप से मनमाना, तर्कहीन है और इस तरह संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है।

देश के स्कूली बच्चों को श्रम के भंवरजाल से बचाने की अंतरराष्ट्रीय पहल

New Delhi/Agency

देश के स्कूली बच्चों को श्रम के भंवरजाल से बाहर निकालने का संकल्प भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ (नई दिल्ली और एजुकेशन इंटरनेशनल (बेल्जियम) ने लिया है। इस अंतरराष्ट्रीय पहल पर शुक्रवार को यहां न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित होटल सूर्या में दुनिया भर के शिक्षाविदों ने चर्चा की। इस दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रामपाल सिंह और उपाध्यक्ष सुशील पाण्डेय, नीदरलैंड की राजनयिक पॉलिना क्रोमिक एवं एजुकेशन इंटरनेशनल की अध्यक्ष मिसेज सुजन हॉपगूड ने स्वैच्छिक संगठनों और प्रतिनिधियों को मसौदे की जानकारी दी।

प्रमुख वक्ताओं ने दोनों संगठनों ने संयुक्त अध्ययन के निष्कर्ष के आधार पर चुनौतियों का सामना करने पर विस्तृत चर्चा की। मिसेज सुजन हॉपगूड ने कहा, दुनिया में भारत ऐसा देश है जहां सबसे अधिक बाल श्रमिक हैं। इनमें स्कूल गोइंग स्टूडेंट्स की संख्या में इजाफा चिंताजनक है। इसे समाप्त करना महत्वपूर्ण चुनौती है। शिक्षक संगठनों और सरकार के प्रयासों के बावजूद ऐसी स्थिति गंभीर इशारा कर रही है।

उन्होंने कहा, गरीबी केवल एक परिणाम नहीं है, बल्कि यह एक प्रणाली के परिणाम हैं जहां आर्थिक लाभ को मानव कल्याण की बजाए प्राथमिकता दी जाती है। यह

स्थिति असमानता, भेदभाव, अलगाव, औपनिवेशिकता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी, अनौपचारिकता का प्रचलन और गरीब के लिए उचित रोजगार के लिए सीमित पहुंच की वजह से बनती है। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रामपाल सिंह ने कहा कि बाल श्रम गंभीर मुद्दा है।

मोदी सरकार पिछड़ा वर्ग के लिए समर्पितः अहीर

New Delhi/Agency

राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष हंसराज गंगाराम अहीर ने कहा है कि देश के पिछड़े वर्ग को न्याय देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उनकी सरकार ने जो निर्णय लिये तथा न्याय दिया है, इससे पहले सत्ता पक्ष के लोगों ने इस पर कभी विचार भी नहीं किया था। श्री अहीर ने गुरुवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन ने कहा कि देश के पिछड़े वर्गों में योग्यता, कुशलता, कारीगीरी, मेहनती लोगों की कोई कमी नहीं है। इस वर्ग की अधिकांश जातियां कृषि क्षेत्र से जुड़ी हुई हैं, जिनमें मजदूर भी हैं और कुशल कारीगर भी, वे अपने व्यवसाय से समाज सेवा के साथ मेहनत से समाज की जरूरतें पूरी करते हैं। इस वर्ग को आर्थिक और शिक्षा के क्षेत्र में विकास से वंचित रखा गया था, लेकिन श्री मोदी ने उन्हें न्याय दिलाया है। मोदी सरकार के नौ साल के दौरान अन्य पिछड़ा वर्ग को सबल और सशक्त बनने का मौका मिला है।

चिनाब नदी पर जैसवाल पुल का निर्माण पूरा : गडकरी

New Delhi/Agency

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के उधमपुर-रामबन खंड पर चिनाब नदी पर 2-लेन के जैसवाल पुल का निर्माण पूरा हो गया है।श्री गडकरी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अत्यधिक सावधानी के साथ डिजाइन किया गया यह पुल 118 मीटर तक फैला है। पुल का निर्माण 20 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है।

गुलमर्ग में फंसे 250 पर्यटकों को पुलिस ने बचाया

New Delhi/Agency

जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में विश्वप्रसिद्ध गुलमर्ग रिजॉर्ट में एक गोंडोला केबल कार में तकनीकी खराबी के कारण फंसे करीब 250 पर्यटकों को पुलिस ने शुक्रवार को बचा लिया।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक पर्यटकों का समूह गुरुवार की शाम अफरवत जाने के लिए गोंडोला केबल कार में सवार था। इसी दौरान उसमें तकनीकी खराबी आ गयी और वे बीच में फँस गये। गुलमर्ग पुलिस की बचाव टीम ने गोंडोला कार कॉर्पोरेशन के कर्मचारियों की मदद से बचाव अभियान शुरू किया। रात भर की कड़ी मशक्कत के बाद बचाव टीम ने फंसे हुए पर्यटकों को बचाया और उन्हें गुलमर्ग बेस पर सुरक्षित वापस लाया। पर्यटकों ने समय पर मदद के लिए बारामूला पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया है।

बिजनेस की शुरुआत करने के लिए आप में सिर्फ जुनून होना ही काफी नहीं है। व्यापार की कुछ जमीनी सच्चाइयां भी होती हैं। उन्हें भी समझना जरूरी है। और भी कई बातें हैं, जो बिजनेस की शुरुआत और उसमें सफलता के नजरिए से बहुत महत्वपूर्ण हैं। बिजनेस में कदम रखने से पहले उन्हें जान लेना जरूरी है, क्योंकि छोटी-छोटी गलतियां ही विफलताओं की वजह बन जाती हैं। उन्हीं बारीकियों के बारे में बता रही हैं प्रतिमा पांडे

कुछ इस तरह हो शुरुआत

आज का दौर उद्यमिता का है। अच्छे कॉलेज से ऊंचे स्तर की व्यावसायिक शिक्षा लेने वाले छात्र भी आजीविका के लिए नौकरी की बजाय बिजनेस को चुन रहे हैं। कुछ ऐसे उदाहरण भी हैं, जिनमें मल्टीनेशनल कंपनियों के सफल अधिकारियों ने नौकरी छोड़ अपना बिजनेस शुरू किया है। कुल मिला कर हर दूसरा व्यक्ति बिजनेस में हाथ आजमा रहा है, जिसमें से कुछ के हाथ सफलता लग रही है तो कुछ अपने खुशहाल वर्तमान से हाथ धो बैठे हैं।

करियर के विकल्पों और आय की नजर से देखा जाए तो बिजनेस बढ़िया सौदा लगता है, लेकिन अगर इसमें छिपी अनिश्चितता पर गौर किया जाए तो यह खतरों से भरा काम नजर आता है। इस मामले में सोच की जो स्पष्टता जरूरी है, अधिकतर बिजनेस शुरू करने वालों में उसका अभाव देखने को मिलता है। यही कारण है कि व्यापार की जमीनी सच्चाइयों के सामने नौसिखिए बिजनेसमैन घुटने टेक देते हैं।

इसीलिए यदि व्यापार करने की सोच रहे हैं तो इसकी जमीनी वास्तविकताओं के लिए खुद को तैयार कर लें। उसके लिए जरूरी है कुछ बातों पर गौर करना, ताकि आपका बिजनेस भी आपकी योजना के अनुसार ही आगे बढ़ता जाए। तो खुद को करें इस तरह तैयार -

मार्केट को समझना है जरूरी

अमूमन लोग अपने सफल व्यापारी दोस्त या संबंधी को देख कर व्यापार करने के लिए प्रेरित हो जाते हैं। लेकिन यह जरूरी नहीं कि उसके तौर-तरीके अपनाने और भारी-भरकम पूंजी लगाने के बाद भी आप अपने व्यापार में उतने ही सफल हों, जितना कि आपका परिचित। दरअसल यह तो इस बात पर ज्यादा निर्भर करेगा कि आपको अपने दोस्त की तरह ही बाजार की समझ है या नहीं, जिसके लिए आपको मार्केट रिसर्च करनी होगी।

यह जरूर पता कर लें कि आप जिस चीज से संबंधित व्यापार करना चाह रहे हैं, उसकी शर्तें क्या हैं? उसकी प्रतिष्ठा, डिमांड और उसका बाजार कहां और कैसा है? प्रतियोगिता क्या, कैसी और कहां-कहां से मिलेगी? उस उत्पाद का भुगतान मार्केट में किस तरह से होता है? यानी भुगतान मिलने की शर्तें, पैटर्न आदि के बारे में भी पता कर लें। आपको उस व्यापार से संबंधित कुशल कारीगरों, आवश्यक मशीनों और ना जाने ऐसी ही कितनी अन्य गहरी बातों का पता पहले ही लगा लेना चाहिए। उसमें छिपे खतरों और बाधाओं की जानकारी जरूर लें। इस तरह आपको कई ऐसी बातों की जानकारी हो जाएगी, जो सफलता की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

कानूनी पक्ष को समझना जरूरी

आप कैसा भी व्यापार करें, उस पर कुछ कानून भी लागू होंगे। उनके बारे में अच्छी तरह पढ़ें। उस इंडस्ट्री के क्या मानक हैं, उससे संबंधित सरकारी नीतियां क्या हैं, बैंक सेक्टर उस उद्योग क्षेत्र के बारे में क्या नजरिया दर्शाता है, यह जानने के साथ-साथ पूंजी से संबंधित नियम अच्छी तरह से जान-समझ लें। जो भी व्यापार करने जा रहे हैं, उससे जुड़ा हुआ हर एक नियम अच्छी तरह पढ़ें।

सबसे पहले अपनी सुरक्षा

आमतौर से एक नौकरीशुदा शख्स की असाधारण व्यापारी बनने की लोकप्रिय कहानी कुछ इस तरह होगी। उसने व्यापार का निर्णय लिया। नौकरी छोड़ी। कम पूंजी और समर्पण से शुरुआत की और सफलता उसकी हुई। पर इस कहानी में दो बातें गौर करने वाली हैं। एक तो यह कि नौकरी छोड़ने से पहले उसने और क्या-क्या सोचा और किया, किसी को पता नहीं और दूसरा बिंदु है व्यापार शुरू होने और सफलता मिलने के बीच का वक्त।

दरअसल कोई भी व्यापार शुरू होने के कम से कम दो साल बाद लाभ देना शुरू करता है। ऐसे में अगर आप व्यापार की सोच रहे हैं तो कम से कम दो-तीन साल तक के लिए अपने रोज के खर्चों के लिए आवश्यक धन की आमद सुनिश्चित करें। कोई इमरजेंसी आने पर उस खर्च से कैसे निपटेंगे, उसका इंतजाम करें। अगर आपकी कुछ जिम्मेदारियां हैं तो अपने साथी से पहले विचार-विमर्श कर लें।

दिल की सुनें, दिमाग से काम लें

चूंकि आपके दोस्त ने अपना ऑनलाइन बिजनेस जमा लिया है, इसका मतलब यह नहीं कि आप भी उसी में सफल होंगे। खुद से पूछिए कि आप जो करना चाहते हैं, उसमें होने वाले लाभ को देख कर आप प्रेरित हुए हैं या यह आपका जुनून है? उस व्यापार से संबंधित योग्यताओं को लेकर खुद से ईमानदार रहें। उस क्षेत्र की कठिनाइयों पर नजर डाल कर अपने धैर्य और हिम्मत की गहराई परखिए, फिर फैसला कीजिए।

मेहनत के लिए कमर कस लें

अकसर व्यापार के लिए कदम बढ़ा रहे लोग तर्क देते हैं कि अब वे अपने मातहत खुद होंगे। अगर आप भी इस जुमले को पसंद करते हैं तो कुछ और बातों पर भी ध्यान दें। माना कि अपने व्यापार में आप ही बॉस होते हैं, लेकिन तब आपके हिस्से में ही सबसे ज्यादा मेहनत आती है। कुछ वक्त तो ऐसा गुजरता है, जिसमें हफ्ते की एक छुट्टी भी आपको नसीब नहीं होगी। अगर दो दिन बैठ गए तो व्यापार भी दो दिन पीछे चला जाएगा। अगर आप दो-तीन साल नॉन-स्टॉप काम करने के लिए तैयार हैं तो फिर कदम आगे बढ़ाएं।

यथार्थवादी बनें

कई बार नए बने उद्यमी शुरुआती सफलता से अपनी आगे की गणनाओं में अति उत्साह दिखाते हैं। लेकिन वक्त एक सा नहीं रहता। अपने लाभ और आय को हमेशा कम करके ही आंकें तो ही आप किसी भी बाधा के लिए तैयार होंगे। याद रखें कि व्यापार में आपको किसी दूसरे को प्रभावित करने की शर्त नहीं होती, इसलिए खुद को मूर्ख बनाने से बेहतर है, सच्चाई समझते हुए आगे बढ़ें।

व्यवस्थित रहें

व्यापार या उद्यम शुरू करने वालों के लिए यह एक महत्वपूर्ण सलाह है। दरअसल अपना बिजनेस शुरू करते ही आप उसके सीईओ भी होते हैं और स्टेनोग्राफर भी। इसलिए अगर आप व्यवस्थित रहने की आदत नहीं डालेंगे तो बिजली, फोन, डेस्क की सफाई, ईमेल्स का उत्तर और अन्य कई छोटे-छोटे, लेकिन अधूरे पड़े काम आपके बिजनेस की गति को प्रभावित करेंगे। व्यवस्थित रह कर आप इन सबको अकेले और समय पर पूरा कर सकते हैं।

शो ऑफ से बचें

व्यापार करना शुरू किया है, इसका मतलब व्यापारी हो ही गए, नहीं होता। इसलिए एक सफल व्यापारी के तौर-तरीके अपनाने का ख्याल शुरुआती दौर में अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए। अगर व्यापार की जरूरत नहीं है तो बड़ी, सुसज्जित ऑफिस स्पेस, शानदार कंप्यूटर आदि की बजाय एक गैराज या घर से अपने व्यापार की शुरुआत कीजिए।

अनुभव का करें सम्मान

आपके पास एमबीए की डिग्री है। आप जिजीविषा के धनी हैं। आपके पास संपर्कों का खजाना है। पर अनुभवी व्यक्ति से आप फिर भी जीत नहीं पाएंगे। इसीलिए अगर कोई अनुभवी व्यक्ति आपको व्यापार से संबंधित कुछ सलाह देता है तो उस पर विचार जरूर करें। खासकर तब, जब वह व्यक्ति आपका शुभचिंतक हो।

खर्चों में कटौती की आदत

व्यापार की शुरुआत में अलग-अलग कामों के लिए स्टाफ नियुक्त करके पैसा खर्च करना समझदारी नहीं कहा जा सकता, पर

मल्टीनेशनल कंपनियों से नौकरी छोड़ कर व्यापार में आए लोगों में यह प्रवृत्ति आम देखी जाती है। या फिर ऐसे युवा इसका शिकार हो जाते हैं, जो व्यापार को आरामतलबी से कमाने का दूसरा नाम समझते हैं। ऐसा नहीं है कि आप अपने उद्यम पर खर्च ही न करें, पर शुरुआती दौर में तो एक-एक पैसा बचाने का मतलब उस पैसे को कमा लेना जैसा हुआ। शुरुआती दौर में ही बेतहाशा खर्च आपके कारोबार के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। यही नहीं, बेवजह का खर्च उद्यम में पूंजी की कमी का सबब भी बन सकता है। बचाया गया पैसा आपकी पूंजी में बदल कर बिजनेस को आगे बढ़ाएगा।

विल पावर बढ़ायें सफलता पायें

जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिये ''विल पावर' यानी इच्छा शक्ति का बड़ा महत्व है। दृढ़ इच्छाशक्ति से कठिन से कठिन काम को आसानी से किया जा सकता है और ऊंचे से ऊंचे लक्ष्य प्राप्त किये जा सकते हैं। ''विल पावर' बढ़ाने के कुछ सूत्र-

- आपको जो कुछ मिल रहा हैं, उसको ज्यादा महत्व दें और जो कुछ आप नहीं कर सके या नहीं पा सके, उसके बारे में सोच-सोच कर पेरशान होना छोड़ दें। खुद से इस तरह कहते रहें, ''मैं यह कर सकता हूं। मैं यह कर लूंगा।' आप अपनी क्षमताओं को दखते हुए सकारात्मक लक्ष्य निर्धारित करें आप फिर उसके लिए जी-जान से जुट जाएं। इस विास के साथ ही यह काम कर लेना आपके लिए असंभव ही हैं।
- काम पूरे आत्मविास के साथ अपनी पूरी क्षमता लगाते हुए शुरू करें और उस काम को करने में गर्व महसूस करें। आप कितना ही बड़ा लक्ष्य क्यों न बनायें, लेकिन पहले तो एक ही काम करना पड़ेगा। फिर दूसरे चरण में बढ़ें और इस बात पर ज्यादा ध्यान दें कि आप इस समय क्या कर रहे हैं, बजाय इसके कि अभी आपको कितना और करना है। आप किसी काम का परिणाम पक्के तौर पर पहले से तो नहीं जान सकते, लेकिन आप जी-जान से उस कार्य में लग जरूर सकते हैं। यह बात तय है कि मेहनत कभी बेकार नहीं जाती।
- बड़े और ज्यादा मुश्किल लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें, तो उसे पाने में आसानी होगी। क्योंकि एक के बाद दूसरे चरण में कदम बढ़ाने के लिये कम विल पावर की जरूरत होगी और आपको नाकामियों का सामना नहीं करना पड़ेगा। क्योंकि बहुत ज्यादा लंबी छलांग लगाने में गिरने की संभावना ज्यादा रहती है, जबकि संभल कर चलने में गिरने का खतरा कम या बिल्कुल नहीं रहता और बड़े से बड़े लक्ष्य को पाया जा सकता है। प्रत्येक छोटी सफलता अगला कदम और आसान बना देती है। आपको यह अहसास हो जाता है कि आप यह काम कर सकते हैं और यह अनुभव फिर वहीं काम या उससे आगे का काम करने में आपको मदद देता है।
- जब तक आप अपने ''विल पावर' को आजमा न लें, किसी बड़े लक्ष्य की ओर कदम न बढ़ायें। पहले आप अपने ''विल पावर' को मजबूत बनाएं। जैसे, यदि आप पान, तम्बाकू, गुटखा आदि के आदी हैं, तो तय कर लें हफ्ता-दस दिन तक उसका सेवन ही करेंगे। ऐसी ही छोटी-छोटी बातों से आपको अपने ''विल पावर' का अंदाजा हो सकता है।
- अपनी क्षमता और सीमाओं के अनुरूप ही योजनाएं बनाएं। कोई ऐसा लक्ष्य बना लेना जो आपकी क्षमता से बाहर है, आपके लिए नुकसानदायक सिद्ध हो सकता है। इसलिए सही मंजिल की ओर चलने पर ही सफलता मिल सकती है।
- यह सुनिश्चित कर लें कि आप किस तरह से योजनाएं बना रहे हैं, वे उसी ओर ले जाएंगे, जिन्हें आपने अपना लक्ष्य बना रखा है। आप स्वयं से सवाल करें। ''मैं यही चाहता हूं या कुछ और?' इससे आप बार-बार भटकने से बचते रहेंगे।
- किसी बड़े काम को शुरू करने से पहले उसके बारे में खूब सोच-समझ कर योजना जरूर बना लें और फिर उसी के अनुसार काम शुरू करें। किसी भी उपाय के कुछ विकल्प जरूर सोचें, क्योंकि एक की तुलना में दो विकल्प और दो के मुकाबले तीन विकल्प जयादा बेहतर साबित होते हैं। लेकिन इतना ध्यान अवश्य रखें कि बहुत ज्यादा विकल्प होने से आप कंफ्यूज भी हो सकते हैं। दो-तीन विकल्प होने से जब आपके काम में कोई रुकावट आने लगती है, तो आप तुरंत दूसरा विकल्प अपना सकते हैं।
- अपने लक्ष्य को लोगों पर जाहिर कर दें। होता यह है कि हम किसी लक्ष्य को लेकर काम शुरू करते वक्त सोचते हैं कि पता नहीं हम यह काम कर पायेंगे या नहीं। असफल हो जाने पर लोग मजाक न उड़ायें। अपने लक्ष्य को लोगों से छुपाने की कोशिश में हम में कमजोरी आ सकती हैं। अपनी मंशा दूसरों पर जाहिर कर देने से इसका उलटा असर होता है। हम और भी जी-जान से उस काम में जुट जाते हैं इससे एक फायदा यह भी होता है कि अन्य लोग जो हमारे मकसद से वाकिफ रहते हैं, मध्य संभव हमारी मदद करने की कोशिश करते हैं और उत्साह बढ़ाते हैं।
- हममें से बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जो यह पसंद नहीं करते कि कोई उन्हें बताये कि उन्हें क्या करना चाहिए या कैसे करना चाहिए। जैसे, उन्हें किसी की बात या सलाह मानने से अंदर से कोई शक्ति रोकती है। यदि इस रुकावट को हम तोड़ दें तो इससे हमारी ''विल पावर' बढ़ती है।
- कोई काम करते-करते कभी-कभी कुछ समय के लिए ब्रेक ले लेने से काम में और चुस्ती-फुर्ती आ जाती है।

– नीरज पांडेय

ऑपरेशनल रिसर्च
एमएनसी में रोजगार की राह

कारोबार से जुड़े कामों में निर्णय का मामला हो या फिर बहुराष्ट्रीय कंपनियों की जटिल परिस्थितियों को समझने का मौका- इस काम के लिए गणित व सांख्यिकी के जिस एप्लिकेशन्स की जरूरत पड़ती है उसे ऑपरेशनल रिसर्च यानी ''ओआर' के नाम से जाना जाता है। इससे संबंधित कोर्स करने के बाद एमएनसी में जॉब के अच्छे ऑप्शन्स होते हैं। कोर्स के बाद आपकी पहचान एक प्रोफेशनल एनालिस्ट के तौर पर होती है

बिजनेस से जुड़े कामों में निर्णय का मामला हो या फिर बहुराष्ट्रीय कंपनियों के जटिल परिस्थितियों को समझने का मौका- इस काम के लिए गणित व सांख्यिकी के जिस एप्लिकेशंस की जरूरत पड़ती है उसे ऑपरेशनल रिसर्च यानी ओआर के नाम से जाना जाता है। विदेशों में इसका दूसरा नाम मैनेजमेंट साइंस भी है। आज देश में विभिन्न बैंक एटीएम से लैस हो रहे हैं। लेकिन ये एटीएम कहां और कैसे लगाना है। इसकी सुरक्षा कैसे करनी है। इसके लिए उन्हें विशेषज्ञ चाहिए। इसी तरह बिजनेस इंडस्ट्री या उद्योग जगत को भी प्रबंधन की समस्याओं से रूबरू होना पड़ता है। इन सबसे निपटने के लिए ओआर के जानकारों की मदद लेनी पड़ती है। यहीं नहीं मैन्युफैक्चरिंग कंपनी या नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग में भी बहुत सारे डाटा आते हैं। इस कोर्स में गणित की लेटेस्ट एप्लिकेशंस के जरिए यह सिखाया जाता है कि कौन सा डाटा उपयोगी है ताकि उस आधार पर बेहतर निर्णय लिया जा सके और कंपनी को कम खर्चे में मुनाफा पहुंचाया जा सके। कहने का आशय यह कि प्रचुर डाटाओं के बीच उपयोगी डाटा निकालकर और उसका इस्तेमाल किस तरह किया जाए। ऑपरेशनल रिसर्च यह बात बखूबी सिखाता है। इस तरह की भूमिका को देखते हुए ही राष्ट्रीय से लेकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों में ऑपरेशनल रिसर्च के विशेषज्ञों की आज खासा जरूरत पड़ रही है और इससे जुड़े कोर्स को मांग दिल्ली विविद्यालय तथा अन्य दूसरी जगह पर खासी बढ़ रही है।

विशेषज्ञों की मानें तो यह कोर्स बीसवीं सदी की पैदाइश है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटिश मिलिट्री ने वैज्ञानिकों व इंजीनियरों से विभिन्न सैन्य समस्याओं मसलन रेडार की तैनाती, सैन्य दलों की तैनाती, बमबारी तथा माइनिंग ऑपरेशन का विश्लेषण व परीक्षण करने को कहा। इसे मिलिट्री ऑपरेशंस रिसर्च कहा गया और बाद में यह ऑपरेशंस रिसर्च बन गया। धीरे से इसका स्वरूप भी बदलता गया और आज यह डाटा पर केन्द्रित हो गया यानी डाटा की समस्याओं का हल निकालने से। सरकारी नीतियों का कार्यान्वयन करने के बाद उसका वस्तुनिष्ठ विश्लेषण करने का हुनर ऑपरेशन रिसर्च ही देता है।

कोर्स: कोर्स में ऑपरेशंस रिसर्च की कई तकनीकों के बारे में जानकारी दी जाती है। मसलन लिनियर, नॉनलिनियर, पैरामैटिक एंड नेटवर्क ऑप्टिमाइजेशन, स्क्रीइंग, इंवेटरी, रिलाएबिलिटी, मार्केटिंग, क्वालिटी कंट्रोल आदि। कोर्स में ओआर मॉडल्स के गठन और एल्गोरिथम्स के बारे में बताया जाता है। छात्रों को ओआर मॉडल्स तैयार करने और फिर उसके विश्लेषण की कला के बारे में दक्ष बनाया जाता है। इसमें ओआर के प्रयोग और उसकी प्रक्रिया को सीखने पर बहुत जोर दिया जाता है। इसमें कुशल बनाने के अलावा इंडस्ट्री का प्रोजेक्ट वर्क और केस स्टडीज में टूल्स के इस्तेमाल की बात बतायी जाती है। इस कार्यक्रम या कोर्स को मूल लक्ष्य एक अच्छा एनालिस्ट या विश्लेषण करने वाला व्यक्ति पैदा करना होता है। एक आग्रेनाइजेशन में एक टीम का हिस्सा बनकर जटिल समस्याओं पर कैसे काम करें इस मामले में भी छात्र को दक्ष बनाया जाता है।

प्रवेश परीक्षा की रूपरेखा: विविद्यालयों में लिखित प्रवेश परीक्षा के जरिए आमतौर पर दाखिला मिलता है। उसमें उत्तीर्ण होने के बाद छात्रों को साक्षात्कार और समूह चर्चा के लिए बुलाया जाता है और फिर अंतिम लिस्ट तैयार की जाती है। परीक्षा में बैठने के लिए छात्र को स्नातक स्तर पर गणित या कंप्यूटर साइंस या ओआर या सांख्यिकी के भी अवश्य पढ़ी हो। अगर ऐसा नहीं है तो छात्र को स्नातक की परीक्षा 55 प्रतिशत के साथ उत्तीर्ण होनी चाहिए।

प्लेसमेंट: ओआर का काम मैन्युफैक्चरिंग, ट्रांसपोर्ट, रिटेलिंग, मार्केटिंग, फाइनेंशियल और सर्विस सेक्टर, डिफेंस, रेवेन्यू, मैनेजमेंट, कंसल्टेंसी, इंजीनियरिंग आदि के क्षेत्रों से जुड़ा होता है। इसमें प्लेसमेंट के लिए अमेरिकल एक्सप्रेस बैंक, क्रेन सॉफ्टवेयर, जीई कैपिटल, इंडिया बुल्स, सेफ एक्सप्रेस, सिंफनी कारपोरेशन जैसी कई कंपनियां ऑफर लेकर आती है।

विशेषज्ञ की राय: दिल्ली विविद्यालय के फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज में इस विषय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. अमित वर्धन कहते हैं, ओआर का रोल निजी कंपनियों, बैकिंग के अलावा सरकारी नीतियों में भी आज काफी बढ गया है। सरकार के अरबों रुपयों के फंड का आवंटन जिस पॉलिसी के लिए किया गया है उसका परफार्मेंस कैसा रहा, इसका मूल्यांकन वस्तुनिष्ठ ढंग से इस विषय का विशेषज्ञ करता है। आज ओआर का पेपर मैथेमैटिकल साइंस के अलावा एमबीए, इंजीनियरिंग, सीए और हेल्थकेयर के क्षेत्र में बखूबी किया जाता है।

संस्थान

- दिल्ली विविद्यालय
- आईआईटी, कोलकाता
- इंडियन स्टेस्टिकल इंस्टीट्यूट, बेंगलुरु
- आईआईटी, कानपुर व मुंबई
- एनआईटीटीई, मुंबई
- पांडिचेरी विविद्यालय, पुडुचेरी

– प्रियंका कुमारी

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@gmail.com
website: www.alivenews.co.in

बच्चे को कुत्तों ने नौंचा

महिला ने बहादुरी दिखा कर छुड़वाया, सरकारी अस्पताल में नहीं मिला रैबीज का इंजेक्शन

Faridabad/Alive News

बल्लभगढ़ के आदर्श नगर में आवारा कुत्तों ने 12 साल के बच्चे पर हमला कर उसे बुरी तरह से नोंचा डाला। गनीमत रही कि इसी बीच मोहल्ले की महिला वहां आ गई और उसने बच्चे को कुत्तों के चंगुल से छुड़वाया। घायल बच्चे को बल्लभगढ़ के सरकारी अस्पताल में लाया गया। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार करके उसे फरीदाबाद रेफर कर दिया। महिला रजनी ने बताया कि उसके मोहल्ले के राजू को बुधवार को कुत्तों ने घेर लिया था। उस पर कई कुत्तों ने हमला किया और उसे दांतों से काटने लगे। इसी बीच वह मौके पर पहुंची और वहां के मंजर को देखकर दहल गई। उसने किसी तरह से हिम्मत जुटा कर बच्चे को कुत्तों से छुड़ाया। बच्चा बुरी तरह से जख्मी हो चुका था। रजनी ने बताया कि बच्चे के मां बाप जॉब पर जाते हैं। घर पर कोई नहीं था, इसलिए वह खुद उसे अस्पताल लेकर आई है। उसने कहा कि अस्पताल में इलाज नाम की कोई सुविधा नहीं मिली। कुत्ते के काटने पर लगाया जाने वाला इंजेक्शन तक नहीं मिला। रजनी का कहना है कि सरकार को संज्ञान लेना चाहिए। सरकारी अस्पताल के डॉक्टर प्रदीप ने बताया कि बच्चे का ट्रीटमेंट कर दिया गया है। बेहतर इलाज के लिए से फरीदाबाद के अस्पताल में रेफर किया जा रहा है। डॉक्टर प्रदीप ने बताया कि कुत्तों के काटने के केस बहुत ज्यादा आ रहे हैं, जिसके चलते रैबीज के इंजेक्शन की कमी बनी रहती है।

हरियाणा में छुट्टियों में खाली नहीं बैठेंगे स्टूडेंट-टीचर, पढ़िए

Chandhigarh/Alive News

हरियाणा के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों का ऐलान कर दिया गया है। राज्य में आज से स्कूल बंद हो गए हैं, अब 3 जुलाई को स्कूल खुलेंगे। इन छुट्टियों में शिक्षकों के साथ ही स्टूडेंट्स खाली नहीं बैठ पाएंगे। शिक्षा विभाग की ओर से इन्हें हर हफ्ते का काम दे दिया है। टीचर्स की स्टूडेंट्स को होम वर्क देने की ड्यूटी लगाई है। हर हफ्ते दो विषयों का स्टूडेंट्स को होम वर्क देना जरूरी किया गया है। हरियाणा के स्कूल एजुकेशन निदेशालय की ओर से इस बारे आदेश सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी कर दिया गया है।

समर हीरो चैलेंज दिया नाम

जारी आदेश में निदेशालय की ओर से कहा गया है कि गर्मियों की छुट्?टी का सही उपयोग हो सके इसके लिए विभाग ने समर हीरो चैलेंज अभियान शुरू किया है। इस चैलेंज के तहत 5 जून से 30 जून तक वन स्कूल क्क्र एप्लिकेशन पर शिक्षकों और स्टूडेंट्स को काम करना होगा। टीचर्स को इस चैलेंज के तहत स्टूडेंट्स को 2 सब्जेक्ट का होम वर्क देना होगा।

स्टूडेंट्स के लिए भी दिशा निर्देश

निदेशालय के आदेश में स्टूडेंट्स के लिए भी अलग से दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इन्हें हर हफ्ते मिलने वाले होम वर्क में से एक सब्जेक्ट का काम जरूर करना होगा। इसके साथ ही जरूरी विषयों की हर हफ्ते एक केंद्रित अभ्यास प्रश्नोत्तरी पर भी काम करना होगा। यह काम छ्ष्टश्च के अंतर्गत आने वाले प्रोजेक्ट वर्क से अलग रहेगा। इसके सीसीई में अंक नहीं जोड़े जाएंगे।

100 स्टूडेंट्स को मिलेगा पुरस्कार

शिक्षा विभाग के इस चैलेंज को पूरा करने वालों को समर पाल टीचर और समर पाल स्टूडेंट्स का खिताब दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त शीर्ष 100 स्टूडेंट्स और 50 टीचरों को भी विभाग की ओर से सम्मानित किया जाएगा। शिक्षा अधिकारियों को इन आदेशों का पालन सुनिश्चत कराने के लिए कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

जीवा स्कूल में समर कैंप का आयोजन

Faridabad/Alive News

सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में पिछले दो हफ्तों से समर कैंप का आयोजन किया गया। स्कूल में चल रहे इस कैंप में बच्चों ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। जीवा स्कूल में छात्रों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ज़ोर दिया जाता है। विद्यालय में छात्रों को विशेष रूप से समय का सदुपयोग करना सिखाया जाता है और इसके लिए अनेक गतिविधियों का आयोजन भी किया जाता है, जिसमें यह समर कैंप भी शामिल है। इस समर कैंप में सभी आयुवर्गो के छात्रों का विशेष ध्यान रखा गया। कैंप का मुख्य उद्देश्य छात्रों की आंतरिक निपुणता को निखारना है। शिविर की गतिविधियों को मल्टीपल इन्टेलिजेंस एवं मल्टीपल नेचर के आधार पर निर्धारित किया गया। इस बार समर कैंप में छात्रों के लिए मनोरंजक एवं शिक्षाप्रद क्रियाकलापों के साथ साथ तकनीकी शिक्षा पद्धति पर भी विशेष ध्यान दिया गया। इस विषय को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग आयुवर्गों के आधार पर गतिविधियाँ करवाई गई। छात्रों को चित्रकला, कम्प्यूटरए कोडिंग, नृत्य हस्तशिल्पए विज्ञान के विषय में अनेक महत्वपूर्ण तथ्यों की जानकारी दी गई। इसके अलावा छात्रों ने स्पोर्ट्स एक्टिविटी में भी काफी रूचि दिखाई। छात्रों ने जीवा के स्पोर्ट्स अकेडमी में भारी संख्या में भाग लिया और समय के सदुपयोग के साथ-साथ अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान दिया। इस समर कैंप में छात्रों के व्यक्तित्व को निखारने के लिए पर्सनैलिटी डेवलपमेंट, पब्लिक स्पिकिंग एवं लेंग्वेज डेवेलपमेन्ट, इंजीनियरिंग चैलेंज, क्रिएटिव राइटिंग इत्यादि एक्टिविटी कराई गई। समर कैंप का समापन भी बहुत शिक्षाप्रद एवं प्रेरणा दायक रहा। समर कैंप में भाग लेने वाले सभी छात्रों को सर्टिफिकेट दिए गए। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान, प्रधानाचार्या अपर्णा शर्मा ने सभी छात्रों एवं उनके इंचार्जों के कार्यों की प्रशंसा की।

एनआईटी-5 के सरकारी स्कूल में लगाया गया स्वास्थ्य जांच शिविर

Faridabad/Alive News

डॉ. ओपी भल्ला फाउंडेशन (मानव रचना शैक्षणिक संस्थान) की ओर से एनआईटी-5 स्थित राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 13वां स्वास्थ्य जांच व परामर्श शिविर आयोजित किया गया। इस समापन शिविर में स्कूल के कुल 8 सौ बच्चों की स्वास्थ्य जांच और काउंसलिंग की गई। इस कार्यक्रम के साथ फाउंडेशन की ओर से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए शहर के विभिन्न इलाकों में लगाए जा रहे स्वास्थ्य जांच शिविरों का समापन हो गया।

फाउंडेशन की ओर से इससे पहले शहर में सेक्टर-28 वृद्धाश्रम, सेक्टर-21, सेक्टर-19, एतमादपुर, गांधी कॉलोनी, दयालपुर, साईं धाम सेक्टर-86, मोहना, आईपी कॉलोनी, एनआईटी-5 और जीवन नगर में भी शिविर लगाए जा चुके हैं। जिनमें तकरीबन 37 सौ लोगों को निशुल्क स्वास्थ्य जांच, डेंटल चैकअप, न्यूट्रिशन सलाह और स्वास्थ्य परामर्श का लाभ दिया गया है। शिविर के दौरान संस्थान के डेंटल साइंसेज, फिजियोथेरेपी, पोषण और मनोविज्ञान ने विशेष सहयोग दिया। साथ ही संस्थान के फैकल्टी सदस्यों के साथ स्टूडेंट्स वॉलंटियर्स ने भी अहम भूमिका निभाई।

बीजेपी सांसद का पहलवानों को समर्थन, कहा : सरकार की तरफ से किसी ने भी महिला खिलाड़ियों से संपर्क नहीं किया

Faridabad/Alive News

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष सांसद बृजभूषण शरण सिंह और रेसलर्स विवाद में महाराष्ट्र से बीजेपी की सांसद और गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा मुंडे की भी एंट्री हो गई है। उन्होंने पहलवानों को समर्थन दिया है। पंकजा मुंडे ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि एक सांसद के तौर पर ही नहीं बल्कि एक महिला के तौर पर भी मेरी उन महिला खिलाड़ियों में दिलचस्पी है। उन्होंने कहा कि जब इस तरह के आरोप लगे हैं तो इसकी समय पर जांच होनी चाहिए थी, सच सामने आना चाहिए था। सरकार की तरफ से किसी ने भी उन महिला खिलाड़ियों से संपर्क नहीं किया, जो होना चाहिए था।

उन्होंने अपनी पार्टी को लेकर खुलकर नाराजगी जाहिर की है। पंकजा ने कहा कि मैं किसी चीज से नहीं डरती। डरना हमारे खून में नहीं है। अगर कुछ नहीं मिला तो मैं खेत में गन्ना काटने जाउंगी। मुझे स्वार्थ, आशा और इच्छा नहीं है। मैं बीजेपी की हूं, लेकिन बीजेपी मेरी थोड़ी है। बीजेपी एक बड़ी पार्टी है।

सचिन के घर के बाहर पोस्टर

उधर, कांग्रेस ने सचिन तेंदुलकर को भी इस विवाद में घसीट लिया है। यूथ कांग्रेस ने मुंबई में सचिन के घर के बाहर प्रदर्शन करते हुए पोस्टर लगा दिया। हालांकि बाद में पुलिस ने उसे हटा दिया। पश्चिम बंगाल की ष्टरू ममता बनर्जी भी रेसलर्स के हक में उतर आईं। उन्होंने बंगाल में सड़क पर पैदल मार्च कर इंसाफ की मांग की।

वहीं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने फोगाट फैमिली के बीच मतभेद का मामला उठाया। उन्होंने पूछा कि बबीता फोगाट धरना दे रहे पहलवानों के साथ क्यों नहीं हैं। उन्होंने कांग्रेस पर रेसलर्स के धरने को राजनीतिक मुद्दा बनाने का आरोप लगाया।

सचिन से पूछा- क्रिकेट के भगवान चुप क्यों?

मुंबई में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने सचिन तेंदुलकर के घर पोस्टर लगाया। जिसमें लिखा- आप खेल जगत में 'भगवान' हैं, लेकिन जब कुछ महिला खिलाड़ी यौन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठा रही हैं तो आपकी इंसानियत नहीं नजर आती। ये पोस्टर यूथ कांग्रेस की सदस्य रंजीता विजय गोरे की तरफ से लगाया गया था।

ममता बोली- आरोपी गिरफ्तार क्यों नहीं, पार्टी रेसलर्स से मिलेगी

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने कोलकाता में हाजरा से रविंद्र सरोवर तक मार्च निकाला। ममता ने कहा- एक व्यक्ति

पर शारीरिक शोषण का आरोप है, उसे गिरफ्तार क्यों नहीं किया जा रहा है? बहुत जल्द तृणमूल कांग्रेस का एक प्रतिनिधिमंडल आंदोलन कर रहे खिलाड़ियों से मुलाकात करेगा। इसमें फुटबॉल टीम के पूर्व मिडफील्डर मेहताब हुसैन भी शामिल हुए।

स्मृति ईरानी ने बबीता फोगाट के साथ न होने पर उठाए सवाल

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा- बबीता फोगाट प्रदर्शनकारी पहलवानों का समर्थन क्यों नहीं कर रही हैं। वह तो उनके परिवार की सदस्य हैं। बबीता फोगाट से मेरी बात हुई। मैं जानना चाहती हूं कि विपक्ष के नेता इन पहलवानों को निष्पक्ष जांच से वंचित क्यों रखना चाहते हैं? कांग्रेस इसे राजनीतिक मुद्दा बनाने से बाज आए तो बेहतर होगा, लेकिन यह उनकी आदत है और वे करेंगे।

इस मामले में अब तक क्या-क्या हुआ?

18 जनवरी को जंतर-मंतर पर विनेश फोगाट, साक्षी मलिक के साथ बजरंग पूनिया ने धरना शुरू किया। आरोप लगाया कि ङ्ख.स्नढ्ढ के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह ने महिला पहलवानों का यौन शोषण किया।

21 जनवरी को विवाद बढ़ने के बाद केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने पहलवानों से मुलाकात कर कमेटी बनाई, लेकिन कमेटी की रिपोर्ट आज तक सार्वजनिक नहीं हुई।

23 अप्रैल को पहलवान फिर जंतर-मंतर पर धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि जब तक बृजभूषण की गिरफ्तारी नहीं होती, धरना जारी रहेगा।

28 अप्रैल को पहलवानों की याचिका की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण पर छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट में 2 एफआईआर दर्ज की।

3 मई की रात को पहलवानों और पुलिसकर्मियों के बीच जंतर-मंतर पर झड़प हो गई। झड़प में पहलवान राकेश यादव व विनेश फोगाट के भाई दुष्यंत और 5 पुलिस वाले घायल हुए।

7 मई को जंतर-मंतर पर हरियाणा, यूपी, राजस्थान और पंजाब की खापों की महापंचायत हुई। इसमें बृजभूषण की गिरफ्तारी के लिए केंद्र सरकार को 15 दिन का अल्टीमेटम दिया गया।

21 मई को फिर महापंचायत हुई और इंडिया गेट पर कैंडल मार्च और 28 मई को नए संसद भवन पर महिला महापंचायत करने का फैसला लिया गया।

26 मई को पहलवानों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि 28 मई को वे धरनास्थल से नए संसद भवन तक पैदल मार्च करेंगे।

28 मई को पहलवानों ने नए संसद भवन के सामने महापंचायत के लिए जाने की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया।

29 मई को सारा दिन पहलवान घर पर रहे और मेडल गंगा में बहाने व इंडिया गेट पर आमरण अनशन का फैसला किया।

30 मई को पहलवान हरिद्वार हर की पौड़ी में मेडल बहाने गए। जहां किसान नेता नरेश टिकैत के मनाने पर सरकार को 5 दिन का अल्टीमेटम देकर उन्होंने फैसला टाल दिया।

31 मई को न्यूज एजेंसी ANI ने सूत्रों के हवाले से दावा किया कि दिल्ली पुलिस के पास बृजभूषण की गिरफ्तारी लायक सबूत नहीं है। इस पर दिल्ली पुलिस ने ट्वीट करके इसका खंडन किया और कहा- जांच जारी है। बाद में दिल्ली पुलिस ने अपना ट्वीट डिलीट कर दिया।

हरियाणा में HCS रिजल्ट पर रोकः HC ने कहा- याचिकाकर्ताओं की बात सुने सरकार, उनकी एप्लिकेशन पर भी ले फैसला

Chandhigarh/Alive News

पेपर कॉपी का मामला पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट में पहुंच गया है। इस मामले में सुनवाई के बाद कोर्ट ने कहा है कि याचिकाकर्ताओं की बात को सुना जाए और उनकी एप्लिकेशन पर फैसला लिया जाए। जब तक याचिकाकर्ताओं की एप्लिकेशन पेंडिंग है तब तक HCS-CSAT का रिजल्ट डिक्लेयर नहीं किया जाएगा। हरियाणा सरकार की ओर से महाधिवक्ता पेश हुए थे। इस परीक्षा में 32 सवाल पिछली बार के पेपर से कॉपी करने का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट से इस मामले में दखल की मांग की गई है।

याचिका में एग्जाम रद्द करने की मांग-जींद निवासी अंकुर कुमार व अन्य ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल करते हुए सिविल सर्विस एप्टीट्यूड टेस्ट में एक तिहाई प्रश्न कॉपी करने का आरोप लगाते हुए परीक्षा रद्द करने की मांग की है। याचिका में बताया गया कि इस प्रकार प्रश्नों को कॉपी कर इस बार की परीक्षा में शामिल करना गलत है और यदि इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्तियां की गईं तो यह मेधावी आवेदकों के साथ अन्याय होगा।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दिया हवाला-याचिका में हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के कई मामलों का हवाला दिया गया है। याचिका में हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) द्वारा एचसीएस की भर्ती के लिए फरवरी में जारी विज्ञापन में विरोधाभासी निर्देश को लेकर भी सवाल खड़े किए हैं। याचिका अभी हाईकोर्ट की रजिस्ट्री में फाइल की गई थी। इस मामले में आज सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया था।

अटैची कांड का दिया हवाला

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद रणदीप सुरजेवाला ने इस मामले पर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने कहा था कि नौकरियों में भर्ती घोटालों के चलते HSSC के 'अटैची कांड' का भंडाफोड़ हो जाने के बाद HPSC ने पर्चा लीक करने की यह नई तकनीक ईजाद की है। खट्टर सरकार को उन 93,000 युवाओं से तुरंत माफी मांगनी चाहिए, जिन्होंने उनके पारदर्शिता के झूठे नारों पर विश्वास करके परीक्षा का फॉर्म भरा था। इस परीक्षा को तुरंत रद्द करके दुबारा पेपर करवाया जाए।

HC के सिटिंग जज करें जांच-सुरजेवाला ने मांग की कि HPSC तथा भ्रष्ट आयोग को बर्खास्त करके उच्च न्यायालय के सिटिंग जज से साढ़े 8 साल में इनके घोटालों की जांच करवाने की मांग कर चुके हैं। पिछली बार HSSC का डिप्टी सेक्रेटरी अनिल नागर रुपए की भरी अटैची और अभ्यर्थियों की ह्रस्क्रशीट के साथ पकड़ा गया था। उस समय तो खट्टर साहब की विजिलेंस ने अकेले अनिल नागर को बलि का बकरा बनाकर सरकार की बाकी सभी बड़ी मछलियों को बचा लिया था।

धूम्रपान निषेध दिवस : तंबाकू और नशा न करने की ली शपथ

Faridabad/Alive News

सराय ख्वाजा स्थित गवर्मेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में विश्व धूम्रपान निषेध दिवस पर जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड सदस्य छात्र छात्राओं ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू और ड्रग्स का प्रयोग न करने की शपथ ली। विद्यालय में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए जूनियर रेडक्रॉस और ब्रिगेड अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के सदस्य देशों ने 1987 में तम्बाकू महामारी और इसके कारण होने वाली रोकी जा सकने वाली मृत्यु और बीमारी पर वैश्विक ध्यान आकर्षित करने के लिए विश्व तम्बाकू निषेध दिवस बारे जागरूकता लाने के लिए प्रयासरत है। इस दिन का उद्देश्य तम्बाकू के उपयोग के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करना है जो वर्तमान में भर में हर वर्ष आठ मिलियन से अधिक लोगों की मृत्यु का कारण बनता है जिसमें गैर धूम्रपान करने वालों के दूसरे हाथ के संपर्क में आने के परिणामस्वरूप 1.2 मिलियन सम्मिलित हैं। यह दिवस विश्व भर में सरकारों, सार्वजनिक स्वास्थ्य संगठनों, धूम्रपान करने वालों, उत्पादकों और तंबाकू उद्योग से उत्साह और प्रतिरोध दोनों के साथ मिला है। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि भारत तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता एवं उत्पादक देश है। विश्व स्तर पर तंबाकू के सेवन के कारण हर वर्ष लगभग अस्सी लाख लोगों की मृत्यु होती है। विश्वभर में धूम्रपान करने वाली महिलाओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हो रहा है। यद्यपि इस कारण से महिलाओं को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। जिसमें गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर और हृदय संबंधी रोग इत्यादि सम्मिलित है। भारत सरकार ने वर्ष 2007 में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को प्रारंभ किया था। जिसका उद्देश्य जागरूक करना तंबाकू उत्पादों के उत्पादन और आपूर्ति को कम करना, कोप्टा के प्रावधानों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना इत्यादि। धूम्रपान करने से धमनियां कमजोर होने लगती हैं और कोरोनरी हार्ट डिजीज और स्ट्रोक हो सकता है। कुछ अध्ययनों में पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक स्तर पर बढ़े हार्ट अटैक के लिए धूम्रपान को भी एक संभावित कारक बताया गया है। इसके अलावा तम्बाकू का उपयोग से कैंसर या फेफड़े की बीमारी भी हो सकती है। प्रार्थना सभा में प्राचार्य मनचंदा ने सभी अध्यापकों और विद्यार्थियों को शपथ दिलवाई कि मैं कभी भी धूम्रपान व अन्य किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करूंगा एवम अपने परिजनों को भी धूम्रपान व अन्य किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करने के लिए प्रेरित करूंगा। मैं अपने विद्यालय परिसर को भी तंबाकू मुक्त रखूंगा तथा सभी सहयोगियों और विद्यार्थियों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करूंगा। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने सभी विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों को तंबाकू और अन्य नशे वाले उत्पादों से जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में 11 में से 6 शिकायतों का मौके पर ही निपटारा, 5 पेंडिंग

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद मंडलायुक्त विकास यादव की अध्यक्षता में बुधवार को जिला लोक संपर्क एवं परिवाद समिति की बैठक का आयोजन किया गया। जिला लोक संपर्क एवं परिवाद समिति की बैठक में रखी गई कुल 11 शिकायतों में से 6 शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया गया, वहीं 5 शिकायतें पेंडिंग रखी गई हैं। इनमें से 2 शिकायतें पुरानी थी और 9 शिकायतें नई थी। उन्होंने बताया कि जहां भी विकास कार्य चल रहे हैं और उनमें कोई कमी मिलती है तो विजिलेंस कमेटी के संज्ञान में लाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों से संबंधित कोई भी शिकायत है तो विजिलेंस कमेटी को दीजिए, ताकि ग्रीवेंस में आने वाली शिकायतों का निपटारा पहले ही किया जा सके।

जो शिकायतें पैन्डिगं रखी गई है इनमें पहली शिकायत कर्ता योगेश शर्मा निवासी सेक्टर-62 बल्लभगढ़ की शिकायत है जो कि एनएचएआई और एचएसवीपी से संबंधित है। दूसरी शिकायत पंकज निवासी मकान नंबर 752, जीवन नगर की शिकायत बैंक ऑफ बड़ौदा से संबंधित है। तीसरी शिकायत देशराज निवासी गांव बसंतपुर की है।

वहीं चौथी शिकायत के शिकायतकर्ता समस्त ग्रामवासी चौधरी मोहल्ला सीही गांव से शिकायत है जो कि नगर निगम से सम्बंधित है। चौथी शिकायत शीला शर्मा निवासी ब्राह्मणवाड़ा, बल्लभगढ़ से है जोकि नगर निगम से सम्बंधित है। पांचवी शिकायत विजय कुमार निवासी ई-1465, डबुआ कॉलोनी, फरीदाबाद की है जोकि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) से संबंधित है। न सभी शिकायतों के लिए कमेटियां गठित कर दी गई है जो अपनी रिपोर्ट जिला लोक संपर्क एवं परिवाद समिति की अगली बैठक में पेश की जाएगी।

बैठक में डीसी विक्रम सिंह, भाजपा के जिला अध्यक्ष गोपाल शर्मा, एडीसी अपराजिता, डीसीपी पूजा वशिष्ठ, एसडीएम परमजीत चहल, एसडीएम त्रिलोक चंद, एसडीएम पंकज सेतिया, सीटीएम अमित मान अन्य अधिकारी और जिला लोक संपर्क एवं परिवाद समिति के सदस्यों सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी तथा शिकायतकर्ता मौजूद रहे।

चाइल्ड लेबर को रेस्क्यू कराने व पुनर्वास पर सेमिनार

Faridabad/Alive News

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं चेयरमैन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण यशवीर सिंह राठौर के दिशा निर्देशानुसार एवं सुकीर्ति गोयल मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद की अध्यक्षता व देखरेख में चाइल्ड लेबर को रेस्क्यू कराने व पुनर्वास एवं चुनौतियों पर एक सेमिनार का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण फरीदाबाद के तत्वाधान में व बचपन बचाओ आंदोलन एनजीओ के सहयोग से कॉन्फ्रेंस हॉल न्यू बिल्डिंग जिला न्यायालय सेक्टर 12 फरीदाबाद में आयोजन किया गया। इस सेमिनार में चाइल्ड वेलफेयर कमिटी एजुकेशन डिपार्टमेंट वुमन एंड चाइल्ड डेवलपमेंट डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड प्रोटेक्शन यूनिट स्पेशल जूनाइल पुलिस यूनिट लेबर कोर्ट आदि रेस्क्यू से संबंधित सभी डिपार्टमेंट शामिल रहे।

एनजीओ बचपन बचाओ आंदोलन की तरफ से अरुण कुमार शर्मा व मोहित ने बच्चों के बारे में बताया कि 0 से 14 बच्चों का एक ग्रुप होता है व 14 से 18 वर्ष बच्चों का एक ग्रुप होता है। जीरो से 14 वर्ष तक के बच्चे किसी भी संस्थान में काम नहीं कर सकते जबकि 14 से 18 वर्ष के बच्चे हजार्डयस वर्क में काम नहीं कर सकते। उस संस्थान में जहां पर बच्चों को चोट लगने का भय हो 14 से 18 साल के बच्चे अपने माता-पिता के काम में या ब्लड रिलेशन में किसी संस्था में उनका काम करने में हाथ बता सकते हैं।

इसी अवसर पर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती सुकीर्ति गोयल ने बताया कि बच्चों को रेस्क्यू करना अलग काम है लेकिन उनको पुनर्वास करना उससे भी बड़ा काम है हमें बच्चों को रेस्क्यू के साथ-साथ उनके पुनर्वास पर भी अधिक जोर देना चाहिए क्योंकि हम जब किसी बच्चे को उसके जीवन में दखल देते हैं। तो हमें यह देखना चाहिए कि उसका भविष्य में किस प्रकार मुख्यधारा से जोड़कर पुनर्वास करना है।

पैनल एडवोकेट रविंद्र गुप्ता ने बताया कि बाल मजदूरी को रोकने के लिए हमें नियोक्ताओं को ठेकेदारों को जिनसे उन बच्चों को रेस्क्यू कराया गया है। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके खिलाफ भी सेक्शन 79 जेजे एक्ट 75 बॉन्डेड लेबर 370 आईपीसी व लेबर एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज करवा कर नियोक्ताओं को ठेकेदारों को रोक सके साथ ही साथ रेस्क्यू हुए बच्चों को सरकार द्वारा जारी की गई योजनाओं से लाभान्वित भी करना चाहिए ताकि वह भविष्य में दोबारा बाल मजदूरी न करें। इसके साथ-साथ सभी डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने रेस्क्यू के समय आने वाली अपनी-अपनी समस्याओं का समाधान भी किया।

ऊर्जा संरक्षण को लेकर सेमिनार का आयोजन

Faridabad/Alive News

एडीसी अपराजिता के मार्गदर्शन में आज नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा विभाग के द्वारा आज राजकीय संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनआईटी-3 में ऊर्जा संरक्षण को लेकर सेमिनार का आयोजन किया। सहायक परियोजना अधिकारी रविकांत शर्मा ने छात्र-छात्राओं को ऊर्जा संरक्षण के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि छात्र-छात्राएं स्वयं और आसपास ऊर्जा के अपव्यय पर रोक लगा सकते है। वह बिजली का बचाव करें, जैसे कि पूरे रूम के लाइट्स बंद करना जब वे कक्षा से निकल जाते हैं, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करना जब वे उन्हें उपयोग नहीं कर रहे होते हैं। अगर आपको कोई उपकरण या लाइट या एप्लायंस काम नहीं कर रहा है, तो उसे बंद करें। स्नश्वष्ट या ष्टस्नरु जैसी ऊर्जा की बचत करने वाली बिजली सवाई लैंप का उपयोग करें। गर्मियों के मौसम में हमें नवीन ऊर्जा का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करना चाहिए

जिससे हमारे प्राकृतिक संसाधन बच सके। हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, जिला कार्यक्रम प्रबंधक शिवम तिवारी ने सभी प्रतिभागियों को डिजिटल ट्रांसजेक्शन के महत्व पर जागरूक किया। राजकीय गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल की प्रोफेसर सुषमा ने छात्र-छात्राओं को ऊर्जा बचत के लिए बिजली का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया। ऊर्जा संरक्षण एक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से ऊर्जा का उपयोग अच्छी तरह से किया जाता है और उसकी बर्बादी को कम किया जाता है। यह उन संग्रहीत उपायों और तकनीकों का संयोजन है जो ऊर्जा का उपयोग करते समय उसकी बर्बादी को कम करने और उपयोगिता को बढ़ाने का लक्ष्य रखते हैं। साथ ही राजकीय संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनआईटी-3 के अध्यापक देवेंद्र ने भी बच्चो को ऊर्जा संरक्षण के विषय पर सम्बोधित करते हुए उनके ज्ञान में वृद्धि की। उन्होंने कहा कि अक्सर हम अपने घरों या कार्यालयों में आवश्यकता न होने पर भी बिजली उपकरणों को चालू ही छोड़ जाते हैं। हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि जब भी कोई बिजली से चलने वाला उपकरण इस्तेमाल न हो रहा हो तो उस स्थिति में उसे स्विच ऑफ कर देना चाहिए। यह पर्यावरण की दृष्टि के साथ-साथ आर्थिक तौर पर भी हम सबके लिए फायदेमंद है। इसका मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं से बचाव, पर्यावरण की सुरक्षा, ऊर्जा संचयन, ऊर्जा सुरक्षा और समृद्धि को सुनिश्चित करना है। ऊर्जा संरक्षण के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कदम उठाए जाते हैं, जैसे विद्युत ऊर्जा, इंधन ऊर्जा, पानी ऊर्जा, ऊर्जा परिवहन, ऊर्जा नियंत्रण, ऊर्जा उत्पादन और उपयोग तकनीक, और ऊर्जा संचयन और प्रबंधन। इन क्षेत्रों में उचित तकनीकी और व्यवहारिक प्रशिक्षण, संग्रहीत ऊर्जा का उपयोग, बचत के उपाय, प्रदूषण को कम करने की प्रक्रियाएं, विद्युत और ऊर्जा संचय उपकरणों का उपयोग, आदि शामिल होते हैं। कार्यक्रम ने अंत में स्कूली छात्र-छात्राओं ने ऊर्जा संरक्षण को लेकर जागरूकता रैली निकाली।

Editorial

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

संसद तो हुई हाईटेक अब सांसदों की है बारी...!

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो चाहा कर दिखाया। देश को बेहद कम और रिकॉर्ड समय में नई संसद मिली। साथही पहली बार पूरे देश ने एक साथ न्याय के प्रतीक पवित्र सेंगोल के बारे में और भी काफी कुछ पहली बार जाना। चोल साम्राज्य से जुड़ा सेंगोल जिसे हस्तान्तरित किया जाता है, उससे न्यायपूर्ण शासन की अपेक्षा की जाती है प्राचीन काल सेंगोल न केवल राजदंड के तौर पर जाना जाता था बल्कि यह राजदंड केवल सत्ता का प्रतीक ही नहींबल्कि राजा को हमेशा न्यायशील बने रहने के साथ ही प्रजा को भी राज्य के प्रति समर्पित रहने के वचन का स्थिर प्रतीक भी रहा है। राष्ट्रपति और उप-राष्ट्रपति का संदेश वाचन भी हुआ। नई संसद का प्रधानमंत्री के हाथों उद्घाटन पर तमतमाए विपक्ष ने तमाम तरह के आरोपों से घेरने की कोशिश की। लेकिन ऐसा लगता है कि धुन के पक्के प्रधानमंत्री और उनकी सरकार पर कोई फर्क पड़ानहीं। लोकतांत्रिक मूल्यों की दुहाई देकर विपक्ष केवल उद्घाटन पर सवाल उठाने से क्या हासिल पाया इस पर कुछ भी कहना अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन इतना तय है कि प्रधानमंत्री की ढ़ेरों रैलियां, रोड शो और दूसरे कार्यक्रमों से इतर उनका महत्वकांक्षी सेण्ट्रल विस्टा प्रोजेक्ट जिसमें नई संसद का शिलान्यास व उद्घाटन कर जो बड़ी उपलब्धि हासिल की वो विरली है और अलग भी। अब कोई इसे इवेन्ट कहे या गैर जरूरी ये अपना-अपना नजरिया है।

राजनीतिक दृष्टि से इसके मायने भी अलग हो सकते हैं। लेकिन जनता इस पर क्या सोचती है इसके लिए थोड़ा इंतजार जरूर करना होगा। हां भाग्यशाली वो सांसद जरूर हैं जिन्हें देश की पुरानी और नई संसद यानी दोनों में काम करने का मौका मिलेगा। नई संसद की बुनियाद भी नरेन्द्र मोदी ने 10 दिसंबर 2020 को तब रखी थी जब कोविड का दौर था। नई संसद तिकोने आकार का चार मंजिला विशाल निर्माण है जो 64,500 वर्ग मीटर में है। इसे देशी कंपनी टाटा ग्रुप की सहायक टाटा प्रोजेक्ट लिमिटेड ने बनाया है तथा टेण्डरिंग में लार्सन एंड टुब्रो को पीछे छोड़ 861.9 करोड़ रुपये में हासिल किया। लेकिन वर्ष 2020 में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संसद में बताया था कि नए भवन की अनुमानित लागत 971 करोड़ रुपये है। वहीं बीते साल कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार लागत बढ़कर 1200 करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। जाहिर है मंहगाई बढ़ने के साथ लागत बढ़ना नई बात नहीं है। पुरानी लोकसभा की क्षमता 552 सीटों की थी जबकि नए में 888 सीटें हैं। इसी तरह पुराने राज्यसभा भवन में 250 सदस्यों की ही जगह थी। नए भवन में यह क्षमता बढ़ाकर 384 हो गई है। नई संसद की संयुक्त बैठक में एक साथ 1272 सदस्य बैठ सकेंगे जबकि दर्शक दीर्घा में 336 लोगों के बैठने का इंतजाम होगा।सांसदों को अलग दफ्तर भी मिलेगाजो

आधुनिक डिजिटल सुविधाओं से लैस होगा ताकि पेपरलेस कामकाज की ओर भी बढ़ा जा सके। नई इमारत में एक भव्य कॉन्स्टिट्यूशन हॉल जिसे संविधान हॉल है जिसमें भारत की लोकतांत्रिक विरासत को दर्शार्या जाएगा।इसमें हमारे संविधान की मूल प्रति रखी जाएगी। सांसदों के बैठने के लिए भी बड़ा हॉल, एक लाइब्रेरी, विभिन्न समितियों के लिए कई कक्ष, भोजन कक्ष और बहुत सारी पार्किंग की जगह होगी ताकि संसद में पहले जैसे भीड़-भाड़ व जगह की कमीं नहीं दिखे।

नई संसद में 3 मुख्य द्वार हैं ज्ञान द्वार, शक्ति द्वार और कर्म द्वार। फिलाहाल मौजूदा संसद भवन की इमारत को बने करीब 96 साल हो रहे हैं जो शुरू में 556 मीटर व्?यास में थी। लेकिन जब जगह कम पड़ने लगी तो 1956 में फिर अतिरिक्त निर्माण करा दो मंजिलें और जोड़ी गईं। तब इसे संसद भवन नहीं बल्कि हाउस ऑफ पार्लियामेंट कहते थे। आजादी के बाद से जब यहां सांसद बैठने लगे तो संसद भवन कहलाने लगा। 1927 में बनी पुरानी संसद पर लगभग 83 लाख रुपए खर्च हुए और 6 साल का वक्त लगा। शुरूआत में ब्रिटिश विधान परिषद का कामकाज होता था। इसकी डिजाइन ब्रिटिश आर्कीर्टेक्ट एडविन लुटियंस और हर्बर्ट बेकर ने की थी और नाम काउंसिल हाउस दिया गया। इसी आर्किटेक्ट के चलते दिल्ली लुटियंस की दिल्ली कहलाने लगी। पुरानी संसद हमारे मजदूरों और कारीगरों ने देशी सामग्री से बनाया था जिस पर भारतीय वास्?तुकला और परंपराओं की गहरी छाप है। इसे मुरैना के चौंसठ योगिनी मंदिर के डिजाइन जैसी डिजाइन मानते हैं क्योंकि कमरों से लेकर बिल्डिंग तक मंदिर से पूरी तरह मिलते हैं। इस मंदिर का निर्माण 1323 ईस्वी में कच्छप राजा जयपाल ने कराया और नाम इकंतेश्वर या इकत्तरसो महादेव मन्दिर रखा गया।

दरअसल नई संसद भी स्वदेशी कारीगरी की मिशाल है। अभी सेंट्रल विस्टा जीर्णोद्धार और पुर्ननिर्माण परियोजना में कई काम होने हैं। रायसीना पहाड़ी से इंडिया गेट तक राजपथ के किनारे स्थित करीब 3 किमी क्षेत्र में केंद्रीय प्रशासनिक क्षेत्र यानी सेंट्रल विस्टा में नए तरीके से आधुनिक शिल्पकला और जरूरतों के हिसाब से केंद्रीय सचिवालय भी बन रहा है। यह संसद के बाजू में होगा। प्रधानमंत्री और उपराष्ट्रपति का नया घर भी नई संसद के करीब होगा। पूरे प्रोजेक्ट में करीब 20 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे जिससे तमाम भवनों का निर्माण और सौंदर्यीकरण भी होगा।

अभी वर्तमान आबादी के लिहाज से औसतन एक सांसद पर लगभग 24 लाख 87 हजार के लोगों के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी है। लेकिन वास्तव में देश में कई ऐसे जिले हैं जिनके एक सांसद 16 लाख से 20-22 लाख और कहीं-कहीं 30 लाख से ज्यादा लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। रही संसदीय क्षेत्र के विकास की बात तो वह भी ऐसी परिस्थितियों में काफी पेचीदगियों भरी होती है। यकीनन लोकसभा का भौगोलिक क्षेत्रफल कई जगह काफी विसंगति पूर्ण है। कहीं-कहीं तो एक सांसद का क्षेत्र 2-3 जिलों तक फैला हुआ है तो कहीं अलग-अलग संभागों के क्षेत्र भी आ जाते हैं। ऐसे में सांसद के सामने तकनीकी, व्यव्हारिक असमंजस भरी कठिनाइयों का अंबार होना स्वाभाविक है।

नियमानुसार निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का परिसीमन आयोग करता है। संविधान के अनुच्छेद 82 के अनुसार प्रत्येक जनगणना के बाद केन्द्र सरकार परिसीमन आयोग का गठन करती है जो संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाओं का नया परिसीमन करता है। आखिरी परिसीमन 2002 के प्रावधानों के तहत वर्ष 2001 की जनगणना आंकड़ों के आधार पर हुआ जो 2008 में खत्म हुआ। इसमें देश में जनसंख्या स्थिरीकरण के प्रयासों के चलते तय किया गया था कि 2026 तक लोकसभा की सीटें नहीं बढ़ाई जाएंगी। यदि पुरानी परंपराओं को कायम रखते हुए जनसंख्या को लोकसभा सीटों का आधार बनाया जाता तो उन उत्तरी राज्यों की सीटों में भारी इजाफा हो जाता जहां जनसंख्या स्थिरीकरण कार्यक्रम असफल रहा है। यही सब देखकर लगता है कि मौजूदा व्यवस्था के तहत नया परिसीमन 2026 तो नहीं 2031 की जनगणना के बाद ही हो पाएगा?

अब आबादी लगभग 140 करोड़ है। 1971 की जनगणना के हिसाब से हर बड़े राज्य में लगभग 10 लाख की आबादी पर एक सांसद थे। फिलाहाल सीटों की संख्या तो वही है लेकिन आबादी तेजी से बढ़ी है। राजस्थान जैसे बड़े राज्य में कुछ संसदीय सीटों की आबादी 30 लाख पार हो चुकी है वहीं केरल या तमिलनाडु में सिर्फ 18 लाख की आबादी पर एक सांसद हैं। बस इन्हीं विसंगतियों के चलते 2026 या 2031 जब भी परिसीमन होगा बहुत ही पेचीदा होगा।

नई संसद के उद्घाटन से पहले तकनीकी उड़ान में भी भारत 5 जी में पहुंच आगे की तैयारी में है। क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के निराकरण के लिए दौरों के बजाए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर सांसदों की हर जगह डिजिटल मौजूदगी और संसदीय क्षेत्र के हर आम व खास से खुले मंच जनता से कनेक्टिवटी भी जरूरी है। अब बड़ा क्षेत्रफल, दौरा या दूरी जैसी बातें बेमानी हैं। सभी से कभी संपर्क नए दौर की आसानी है। जहां आबादी का अनुपात जरूर घटेगा लेकिन जिम्मेदारियों, क्षेत्रवासियों से डिजिटलाइज संपर्क व संवाद जैसी भागीदारी बढ़ेगी। ऐसे में हमारे माननीयों को तकनीक का ज्ञान और कौशल कुशलता जरूरी होगी। इसमें ट्रेन्ड सांसद ही नए दौर केसच्चे जनप्रतिनिधि कहलाएंगे। नई संसद में माननीयों भी डिजिटल मोड में रहकर नई अग्निपरीक्षा से गुजरेंगे। भविष्य कुछ ऐसा होगा जहां हर एक मतदाता सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कभी भी और कहीं भी अपने जनप्रतिनिधि से अपनी जायज समस्याओं के लिए संवाद कर सकेगा। काश हमारे सांसद भी हाईटेक माननीय होकर अपनी डिजिटल भूमिका निभाते दिखते। नई संसद तो नई बेहद हाईटेक और उम्मीदों से बढ़कर है काश उसमें बैठने वाले सारे नुमाइन्दे भी इसमें पारंगत होते तो सोने में सुहागा हो जाता।

नई संसद के उद्घाटन से पहले तकनीकी उड़ान में भी भारत 5 जी में पहुंच आगे की तैयारी में है। क्षेत्र के विकास और जनसमस्याओं के निराकरण के लिए दौरों के बजाए डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर सांसदों की हर जगह डिजिटल मौजूदगी और संसदीय क्षेत्र के हर आम व खास से खुले मंच जनता से कनेक्टिवटी भी जरूरी है। अब बड़ा क्षेत्रफल, दौरा या दूरी जैसी बातें बेमानी हैं। सभी से कभी संपर्क नए दौर की आसानी है। जहां आबादी का अनुपात जरूर घटेगा लेकिन जिम्मेदारियों, क्षेत्रवासियों से डिजिटलाइज संपर्क व संवाद जैसी भागीदारी बढ़ेगी। ऐसे में हमारे माननीयों को तकनीक का ज्ञान और कौशल कुशलता जरूरी होगी। इसमें ट्रेन्ड सांसद ही नए दौर केसच्चे जनप्रतिनिधि कहलाएंगे। नई संसद में माननीयों भी डिजिटल मोड में रहकर नई अग्निपरीक्षा से गुजरेंगे। भविष्य कुछ ऐसा होगा जहां हर एक मतदाता सीधे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कभी भी और कहीं भी अपने जनप्रतिनिधि से अपनी जायज समस्याओं के लिए संवाद कर सकेगा।

संपादकीय

क्रूरता की हद

दिल्ली के शाहबाद डेरी इलाके में बीते रविवार एक किशोरी की क्रूरता से की गई हत्या ने पूरे देश को झकझोरा है। निस्संदेह, घटना स्तब्ध करने वाली है लेकिन इस वारदात का दूसरा दुखद पहलू घटना के वक्त पास से गुजरते लोगों का गैरजिम्मेदार व्यवहार है। समाज कितना संवेदनहीन हो चला है कि वहशी दरिंदा किशोरी पर सरेआम चाकू से वार पर वार करता रहा और गुजरते लोग मूकदर्शक बने रहे। अपराधी का मन दर्जनों चाकू के वार करने पर भी नहीं रुका और पत्थर से उसका चेहरा कुचलकर भाग गया। सीसीटीवी कैमरे में दर्ज हृदयविदारक घटना हत्याकांड की भयावहता को उजागर करती है। विडंबना है कि हमारा समाज कितना संवेदनहीन हो चला कि सरेराह निर्ममता से एक बेटी का कत्ल हो रहा होता है और समाज के भीरू लोग ऐसे गुजर रहे थे जैसे कुछ हुआ ही नहीं है। काश, एक-दो लोग अपराधी को चुनौती देते और उसका किसी तरह मुकाबला करते तो एक बेटी की जान बच सकती थी। लेकिन लोग आम दिनों की तरह चलते रहे। हो सकता है कि कुछ लोग अपने मोबाइल में घटना को कैद करते रहे हों। आखिर लोग क्यों नहीं सोचते कि हिंसा की यह आग एक दिन उनके अपनों को भी लील सकती है। कहा जा रहा है कि गुनहगार युवक दो साल से इस लड़की के संपर्क में था। किसी हकीकत का भान होने पर लड़की ने उससे दूरी बना ली थी। लेकिन इंसान के नाम पर वहशी दरिंदा कितना हैवान था कि कभी जिस लड़की से प्रेम करने का प्रपंच करता रहा, उसे ही जानवरों की तरह काट दिया। क्या कभी किसी कथित प्रेम संबंध की परिणति ऐसी भयावह हो सकती है? यह नये दौर का वीभत्स प्रेम है कि मन की न हो तो प्रेमिका के टुकड़े-टुकड़े कर दो। देश कुछ समय पहले दिल्ली के हुए श्रद्धा हत्याकांड को नहीं भूला है, जिसमें सहजीवन में रह रही युवती के उसके ही साथी ने पैंतीस टुकड़े करके जंगल में फेंक दिये थे। विडंबना है कि ऐसी ही क्रूर घटनाएं शेष देश से भी गाहे-बगाहे सुनने को मिलती रहती हैं। घटनाएं तमाम तरह की सामाजिक विद्रूपताओं पर सवाल उठा रही हैं। सोशल मीडिया पर जो अपसंस्कृति की बाढ़ आई है वह हमारे युवाओं को लील रही है। सवाल यह भी उठाया जा रहा है कि चौदह साल की उम्र में शुरू हुए अपरिपक्व प्रेम की परिणति क्या हो सकती है? जीवन में प्रेम व संबंधों का आधार परिपक्वता भी होता है। सभी अभिभावक भी चाहते हैं कि बच्चे अपने जीवन के फैसले उस अवस्था में लें जब उनमें परिपक्वता आ जाये। वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हों। भारतीय परंपराओं में मां-बाप द्वारा जीवन साथी तय करने का मकसद भी यही था

पहली बार पृथ्वी पर मानवता के लिए सुरक्षा और न्याय का हुआ मूल्यांकन

तिलक राज शर्मा

हम अपनी सभ्यता के भविष्य और पृथ्वी पर रहने वाली हर चीज के साथ भारी जोखिम उठा रहे हैं। यह कहना है जर्नल नेचर में प्रकाशित एक नए अध्ययन का। दुनियाभर के 40 से अधिक रिसर्चर्स को शामिल करने वाले एक अंतरराष्ट्रीय विज्ञान आयोग द्वारा विकसित की गई इस स्टडी में, वैज्ञानिक पृथ्वी प्रणाली की स्थिति को नियंत्रित करने वाली कई जैवभौतिक प्रक्रियाओं और प्रणालियों के लिए वैश्विक और स्थानीय स्तर पर सुरक्षित और न्यायपूर्ण अर्थ सिस्टम की सीमाओं का पहली बार उल्लेख करते हैं।

पृथ्वी पर पहली बार मानवता केलिए सुरक्षा और न्याय का ऐसा मूल्यांकन किया गया है। इन वैज्ञानिकों के अनुसार यह बेहद चुनौतीपूर्ण रहा क्योंकि अर्थ कमीशन नाम के इस समूह का निष्कर्ष है कि पृथ्वी के लिए अब तक कई सुरक्षित सीमाएं पहले ही पार हो चुकी हैं।

प्रोफेसर जोहान रॉकस्ट्रॉम, अर्थ कमीशन के सह-अध्यक्ष, प्रमुख लेखक और पॉट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च के निदेशक के अनुसार, फ़हम एंथ्रोपोसिन में हैं। यह वो वक़्त है जब मानव गतिविधियों का हमारे ग्रह पर प्रभाव पड़ता है। हम पूरे ग्रह की स्थिरता और रेज़ीलिएंस को खतरे में डाल रहे हैं। यही कारण है कि, पहली बार, हम न केवल अर्थसिस्टम स्टेबिलिटी और रेज़ीलिएंस बल्कि मानव कल्याण और समानता/न्याय के संदर्भ में भी हमारे ग्रहों के स्वास्थ्य की स्थिति का आकलन करने के लिए मात्रात्मक संख्या और एक ठोस वैज्ञानिक आधार प्रस्तुत कर रहे हैं।

अर्थ कमीशन की सह-अध्यक्ष और एम्स्टर्डम यूनिवर्सिटी में एन्वॉयरमेंट एंड डेवलपमेंट इन द ग्लोबल साऊथ की प्रोफेसर, सह-लेखक प्रो. जोइता गुप्ता के अनुसार- फ़ग्रहों की सीमाओं में रहने के लिए न्यायपूर्ण मानवता के लिए ज़रूरी है। हैवी वेट इन्वायरमेंटअसिस्मेंट के दौरान यह निष्कर्ष वैज्ञानिक समुदाय के कई

आकलनों में देखा गया है। यह कोई राजनीतिक चयन नहीं है। ठोस सबूत से पता चलता है कि ग्रह स्थिरता के लिए एक न्यायपूर्ण और सामान दृष्टिकोण ज़रूरी है। जस्टिस के बगैर हम बायोफिज़िकली सेफ प्लेनेटन हीं पा सकते हैं।

अर्थ कमीशन नेक्लाइमेट, बायो डायवर्सिटी, फ्रेश वाटर और हवा, मिट्टी और पानी के विभिन्न प्रकार के प्रदूषण के लिए सुरक्षित और न्यायपूर्ण सीमाओं को निर्धारित किया है जिनमे अधिकतर का उल्लंघन हो चुका है।उदाहरण के लिए मानव की गतिविधियाँ वाटरफ्लो में बदलाव ला रही हैं, फर्टिलाइज़र के इस्तेमाल के चलते बड़ी मात्रा में पोषक तत्व वाटरफ़्लोज़ में छोड़े जाते हैं, जिसके प्रभाव से कम इलाक़ा ही बचा रह गया है। इकोसिस्टम और लोगों द्वारा किया जाने वाला योगदान एक स्टेबल प्लेनेट के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा करता है। दुनिया पहले ही सुरक्षित और न्यायसंगत क्लाइमेट बाउंड्री पार कर चुकी है, जो प्री इंडस्ट्रियल टेम्परेचर स्तरों से 1 डिग्री सेल्सियस ऊपर निर्धारित है, जिससे लाखों लोग पहले से ही क्लाइमेट चेंज के मौजूदा स्तर से नुकसान उठा रहे हैं।

दुनिया को जलवायु से परे सुरक्षित भविष्य के लिए वैश्विक लक्ष्यों की जरूरत है। ग्लोबल टारगेट सेटिंग ने जलवायु परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित किया है और पेरिस समझौते के अनुसार ग्लोबल वार्मिंग को 2 डिग्री सेल्सियस से नीचे और 1.5 डिग्री सेल्सियस पर फोकस किया है। साफ तौर पर विज्ञान भी यही कहता है कि धरती पर अन्य सभी ग्रह पर रहने की क्षमता निर्धारित करने वाली बायोफिज़िकल सिस्टम और प्रक्रियाओं का प्रबंधन करने की ज़रूरत है।

केवल न्यायपूर्ण सीमाएं ही मानव जोखिम वाले महत्वपूर्ण नुकसान को कम करती हैं। महत्वपूर्ण नुकसान को इस रूप में परिभाषित किया गया है- अर्थ सिस्टम परिवर्तन से देशों, समुदायों और व्यक्तियों पर व्यापक गंभीरअस्तित्व सम्बन्धी या अपरिवर्तनीय नकारात्मक प्रभाव, जैसे जीवन का नुकसान, आजीविका या आय, विस्थापन, भोजन, पानी या पोषण सुरक्षा की हानि, पुरानी बीमारी, चोट या कुपोषण। सुरक्षित और न्यायसंगत अर्थ सिस्टम सीमा की पहचान करने के लिए सुरक्षित और न्यायोचित सीमाएँ निर्धारित मात्राओं के स्तरों की कड़ी होती है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं अलाइव न्यूज के मुख्य संपादक है।)

विश्व तंबाकू निषेध दिवस : प्रतिदिन तंबाकू पर खर्च के पैसे में कर सकते है पोष्टिक भोजन

राजस्थान के युवाओं व किशोरों में तंबाकू व अन्य धूम्रपान उत्पादों की लत का बढ़ना हम सभी के लिए चिंता का गंभीर विषय है। प्रदेश में 65 हजार से अधिक लोगों की तंबाकू व अन्य धम्रपान उत्पादों के सेवन से होने वाली बीमारियों से अकारण मौत हो जाती है। वहीं प्रतिदिन तंबाकू व अन्य धूम्रपान उत्पादों के सेवन में खर्च होने वाली राशि से आसानी से पौष्टिकता से भरपूर भोजन आसानी से किया जा सकता है।

हमें भोजन की आवश्यकता है तंबाकू की नहीं

इस बार ''विश्व तंबाकू निषेध दिवस' पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की थीम फ़हमें भोजन की आवश्यकता है तंबाकू की नहींफ़ रखी गई है। जिस तरह से हर इंसान को अपना जीवन चलाने के लिए रोटी, कपड़ा और मकान जैसी मूलभूत आवश्यकता होती है। उसी तरह से तंबाकू को न चुनकर पोष्टिक भोजन को मूलभूत प्राथमिकता में शामिल करने की जरुरत है।

महीने भर तंबाकू के खर्च में कर सकतें प्रतिदिन पोष्टिक भोजन

एक अनुमान के हिसाब से प्रतिदिन तंबाकू व धम्रपान उत्पादों का सेवन करने वाला 5 गुटखा सेवन कर लेता है और सिगरेट व बीड़ी पीने वाले इसी मात्रा में उपभोग करता है। जिसका अनुमानित खर्च 40 से 50 रुपये आता है। इतनी ही राशि से दो समय का भोजन किया जात सकता है, जोकि पूरी तरह से पोष्टिकता से भरपूर होता है। खासतौर पर राजस्थान सरकार की इंदिरा रसोई इसका अच्छा उदाहरण साबित हो सकती है।

राजस्थान में 77 हजार की प्रतिवर्ष मौत

सवाई मान सिंह चिकित्सालय जयपुर के कान नाक गला विभाग के वरिष्ठ आचार्य डा.पवन सिंघल ने बताया कि ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वे के अनुसार राज्य में तंबाकू व अन्य धूम्रपान उत्पादों से होने वाले रोगों से प्रतिवर्ष 77 हजार से अधिक लोगों की मौत हो जाती है और देशभर में 13.5 लाख व विश्वभर में 80 लाख लोगों की जान इससे जाती है। जबकि प्रदेशभर में 300 से अधिक बच्चे और देशभर में 5500 बच्चे प्रतिदिन तंबाकू उत्पादों का सेवन शुरु करते है।

तंबाकू से कैंसर के साथ अन्य बीमारियां

उन्होंने बताया कि सभी जानतें है कि ऐसे उत्पादों के सेवन से मुंह व गले के कैंसर के साथ शरीर में और कई तरह की बीमारियां होती है। लेकिन इसके बावजूद भी जागरुकता के अभाव में यूजर इस और अग्रसर होता है।

राजस्थान में 24.7 प्रतिशत तंबाकू यूजर

राजस्थान में वर्तमान में 24.7 प्रतिशत लोग (5 में से 2 पुरुष, 10 में से 1 महिला यूजर) किसी न किसी रुप में तंबाकू उत्पादों का उपभोग करते है। जिसमें 13.2 प्रतिशत लोग धूम्रपान के रुप में तंबाकू का सेवन करते है, जिसमें 22.0 प्रतिशत पुरुष, 3.7 प्रतिशत महिलांए शामिल है। यंहा पर 14.1 प्रतिशत लोग चबाने वाले तंबाकू उत्पादों का प्रयोग करते है, जिसमें 22.0 प्रतिशत पुरुष व 5.8 प्रतिशत महिलाएं शामिल है।

डा.सिंघल ने बताया कि युवाओं को इससे बचाने के लिए तंबाकू उद्योगों द्वारा अपने उत्पादों के प्रति आकर्षित करने के प्रयास पर प्रभावी अंकुश, बच्चों व युवाओं के निंरतर तंबाकू से होने वाले दुष्प्रभाव के प्रति निंरतर जागरुक करने तथा तंबाकू उत्पादों के विज्ञापनों के साथ इसकी बिक्री पर भी रोक लगाने की जरुरत है।

जेजे एक्ट व कोटपा की हो प्रभावी पालना

राजस्थान में किशोरों व युवाओं को तंबाकू की पहुंच से दूर रखने के लिए तंबाकू नियंत्रण अधिनियम 2003 (कोटपा) तथा किशोर न्याय अधिनियम की धारा 77 (जेजे एक्ट) की प्रभावी अनुपालना कराने की जरुरत है। वहीं सिगरेट की खुली बिक्री पर प्रतिबंध है लेकिन इसकी भी पालना नही होने के कारण आपको ये सभी उत्पाद आसानी से मिल रहें है। खुली सिगरेट खरीदना युवाओं के लिए सुगम है, इसलिए खुली सिगरेट की बिक्री पर प्रतिबंध को प्रभावी बनाये जाने की जरुरत है।

सावर्जनिक स्थल, शिक्षण संस्थानों आसपास, किरयाना स्टोर, पान शॉप इत्यादि स्थानों पर तंबाकू व धूम्रपान उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाकर भी तंबाकू यूजर की संख्या में कमी लाई जा सकती है।

तंबाकू उत्पादों की बढ़ती खपत सभी के लिए नुकसानदायक

प्रदेश में तंबाकू उत्पादों की बढ़ती खपत हम सभी के लिए नुकसानदायक है। इससे जहां जनमानस को शारीरिक, मानसिक और आर्थिक भार झेलना पड़ता है वहीं सरकार को भी आर्थाि्क भार वहन करना पड़ता है। इसलिए तंबाकू पर टैक्स बढ़ाने की नीति को निरतर बनाए रखना चाहिए या फिर इस पर प्रतिबंध लगा देना चाहिए। राजस्थान सरकार ने जनमानस के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए देश में सबसे अधिक टैक्स की श्रेणी में रखा। जिसके चलते प्रदेश में तंबाकू का उपभोग में कमी आई।

हर पांच मौतों में से एक मौत तंबाकू की वजह से

उन्होंने बताया कि दुनियाभर में होने वाली हर पांच मौतों में से एक मौत तंबाकू की वजह से होती है तथा हर छह सेकेंड में होने वाली एक मौत तंबाकू और तंबाकू जनित उत्पादों के सेवन से होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि सन 2050 तक 2-2 अरब लोग तंबाकू या तंबाकू उत्पादों का सेवन कर रहे होंगे।

स्वस्थ जीवन जीने के लिए ये जरुरी

सामान्य इंसान को जीवन जीने के लिए प्रतिदिन 2500 कैलोरी की आवश्यकता होती है। जिसमें महिलाओं को 2000 कैलोरी की जरुरत पड़ती है। तभी वे स्वस्थ जीवनयापन कर सकते है। पुलिस महानिदेशक को दिया ज्ञापन राजस्थान के ईएनटी चिकित्सकों, सुखम फाउंडेशन ने ''विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर गंभीर चिंता जताई है। इसके लिए प्रदेशभर में कोटपा व जेजे एक्ट में कार्रवाई को लेकर पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन दिया गया। जिसमें बताया गया कि राजस्थान में तंबाकू व अन्य धूम्रपान उत्पादों की रोकथाम के लिए राज्य के सभी जिलों व संभाग मुख्यालयों पर कोटपा व जेजे एक्ट में प्रभावी कार्रवाई की जाए तो तंबाकू यूजर को हत्तोसाहित किया जा सकेगा।

(लेखक-डा.पवन सिंघल, वरिष्ठ आचार्य, सवाई मान सिंह चिकित्सालय जयपुर)

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@ gmail.com
website: www.alivenews.co.in

फरीदाबाद के छात्र-छात्राओं को जल्द मिलेगी हाईटेक लाइब्रेरी

Faridabad/Alive News

उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा कि शहर के टाउन पार्क में एचएसवीपी द्वारा हाइटेक लाइब्रेरी का निर्माण किया जा रहा है। इस हाईटेक लाइब्रेरी में छात्र-छात्राओं को पढ़ने का एक अच्छा माहौल व स्थान मिलेगा। जिसका लाभ उनके जीवन की सफलता पर पड़ेगा। उपायुक्त विक्रम सिंह ने आज मंगलवार को सेक्टर-12 टाउन पार्क में निर्माणाधीन पुस्तकालय भवन के निर्माण कार्य का निरीक्षण कर रहे थे।

उन्होंने बताया कि जिला में बनने वाली इस लाइब्रेरी में एक ई लाइब्रेरी भी बनाई जाएगी जिससे यहां आने वाले सभी लोगों को पढ़ने के लिए इंटरनेट की फैसिलिटी प्रदान की जाएगी। लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षा के उपयोगी पुस्तकें, इंटरनेट सेवा से जुड़ी कम्प्यूटर शिक्षा संसाधन, नेटवर्क सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। जिससे प्रतियोगिता परीक्षा में शामिल होने वाले अभ्यर्थी उपलब्ध संसाधन का उपयोग कर परीक्षा की तैयारी आसान तरीके से कर अपना करियर बना सके। इसके साथ ही उन्होंने शहीद स्मारक का निरीक्षण कर उसके रखरखाव में आ रही समस्याओं को जल्द से जल्द दूर करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि लाइब्रेरी के निर्माण कार्य को 30 जून तक पूरा करे। इस अवसर पर ईओ एचएसवीपी सिद्धार्थ दहिया, एसई संदीप दहिया, डीआईपीआरओ राकेश गौतम, राष्ट्र कवि दिनेश रघुवंशी सहित अन्य कई अधिकारीगण मौजूद थे।

मत्स्य पालन के लिए 25 सौ व्यक्तियों को दिया जाएगा प्रशिक्षण : रीटा

Faridabad/Alive News

जिला मत्स्य अधिकारी रीटा ने बताया कि विभाग द्वारा अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को मत्स्य पालन के लिए वर्ष 2023-24 के अंतर्गत 25 सौ व्यक्तियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य रखा गया है। प्रत्येक व्यक्ति को मत्स्य पालन, जालों के बारे में तथा अन्य मत्स्य पालन से सम्बन्धित गतिविधियों का 5 दिन का प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रशिक्षण मद में कुल धनराशि 30 लाख रुपये व्यय करने का प्रावधान है।

सरकार के मत्स्य विभाग की चलाई जा रही स्कीम

200 /- रुपये प्रतिदिन का प्रशिक्षण भत्ता तथा 200/- रुपये प्रति व्यक्ति आने जाने का किराया एक मुश्त प्रदान किया जायेगा।

तालाबो की प्रथम वर्ष, द्वितीय व आगामी वर्षो की पट्टा राशि पर अनुदान (केवल पंचायती तालाबो पर मान्य)

जाल खरीद पर अनुदान

अधिसूचित पानियों में मछली पकड़ने के ठेके पर अनुदान

इन लोगों को मिलेगा लाभ

इस स्कीम का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति से सम्बंधित व्यक्तियों को ही वित्तीय लाभ प्रदान करना है। इस स्कीम का क्रियान्वयन हरियाणा राज्य के सभी जिलों में किया जायेगा। इस स्कीम के अंतर्गत अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को मात्स्यिकी की जिन गतिविधियों को चलाने के लिए अनुदान के रूप में जो वित्तीय सहायता दी जानी है, उनमें मुख्यतः प्रशिक्षण, प्रथम वर्ष पट्टा राशि हेतु अनुदान, द्वितीय एंव आगामी वर्षों की पट्टा राशि हेतु अनुदान, अधिसूचित पानीयों के ठेके हेतु अनुदान, जाल खरीदने हेतु अनुदान प्रदान करना शामिल है। इस योजना का उद्देश्य अनुसूचित जाति से संबंधित परिवारों को मत्स्य पालन में प्रशिक्षण दिलाकर उन्हें अनुदान प्रदान करते हुये मत्स्य पालन के क्षेत्र में स्वरोजगार उपलब्ध करवाना है, ताकि उनका सामाजिक उत्थान हो सके।

इस स्कीम में केवल प्रशिक्षण को छोड़कर अन्य सभी गतिविधियों के लिए लाभार्थियों के चुनाव हेतु आवेदन मांगे जाएंगे तथा लाभार्थियों का चुनाव जिला स्टार पर अधिकारियों की निम्नलिखित कमेटी द्वारा किया जाएगा -

सम्बंधित मंडल के उपनिदेशक मत्सय

जिला मत्स्य अधिकारी

जिला कल्याण अधिकारी

सम्बंधित मत्स्य अधिकारी

इस स्कीम के तहत विभाग द्वारा गठित कमेटी से लाभार्थियों के चुनाव करने उपरान्त मत्स्य किसान इस स्कीम के अंतर्गत अनुदान लेने हेतु सरल पोर्टल पर अपना आवेदन करेगा जो सम्बंधित जिले के मत्स्य अधिकारी/अनुभाग अधिकारी, जिला मत्स्य अधिकारी/उपनिदेशक के माध्यम से निदेशालय को प्राप्त होगा।

ऊपर दर्शाई गई स्कीम के तहत जो भी किसान व मत्स्य किसान इन मदों में लाभ लेना चाहते है तो लाभार्थी अधिक जानकारी के लिए जिला मत्स्य अधिकारी फरीदाबाद के कार्यालय संपर्क कर सरकारी सरल पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर मत्स्य विभाग की योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते है। निचे दिए नंबर पर संपर्क कर रीटा (जिला मत्स्य अधिकारी) 8527305267 व ईश्वर सिंह (सत्ता अधिकारी, फरीदाबाद) 830241135 से संपर्क कर सकते है।

एडीसी ने छात्र-छात्राओं को अप्रेंटिसशिप में आ रही समस्याओं को जाना

Faridabad/Alive News

अप्रेंटिसशिप, उम्मीदवारों के लिए बहुत अच्छा मौका होता है अपने कौशल को बढ़ाने के लिए। अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता ने आज लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में जिले की सभी राजकीय आईटीआई कन्या एवं बाल के 255 बच्चों को अप्रैंटिक्स के लिए मार्ग दर्शन किया तथा साथ ही कंपनियों के अधिकारियों को भी निर्देश दिए के बच्चों को अप्रेंटिसशिप कराए। उन्होंने सभी छात्र-छात्राओं से कहा कि पढ़ाई पूरी होने के पश्चात आप अप्रेंटिसशिप के लिए कंपनियों में अप्लाई करें ताकि आप वहां जिस विषय में आपने अपनी पढ़ाई की है उससे जुड़े कार्यों को देख सके, सीख सके ताकि जब आप कार्य करने में दक्षता हासिल कर ले तो आप अपनी पसंद की कंपनी में नौकरी के लिए आवेदन करें तो आपको तुरंत नौकरी मिल जाए। उन्होंने वहां मौजूद बच्चों से कंपनियों में अप्रैंटिक्स ना करने का कारण पूछा और जो बच्चे अपरेंटिस कर रहे थे लेकिन किसी समस्या के कारण उन्होंने वह छोड़ दी तो उनसे उनकी समस्याएं जानी और उन्होंने कंपनियों को आदेश दिया कि अप्रैंटिक्स के बच्चों को अच्छी तरीके से कार्य सिखाएं उनको आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें बैठक में एचएल भूटानी, आईएमएसएमई से संजय बोहरा, एसोसिएशन के प्रतिनिधि अमित सिंह, एसोसिएशन के प्रतिनिधि सोनिआ चौहान, प्रिंसिपल आईटीआई भगत सिंह, पीआईसीएल तथा इंडिया फोसल तथा आईटीआई के छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

युवा सैन समाज फरीदाबाद संगठन की बैठक का आयोजन

Faridabad/Alive News

डबुआ कालोनी में युवा सैन समाज फरीदाबाद संगठन की एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में प्रधान योगेन्द्र सैन के तीन वर्ष पूरे होने के एडवोकेट रविन्द्र सैन सिद्धु को सर्वसम्मति से आगामी तीन वर्ष के लिए प्रधान चुना गया। इस अवसर पर सैन समाज हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष कुलदीप सैन व हरिशंकर सविता को सैन समाज कोर कमेटी सदस्य बनाया गया। तत्पश्चात सभी को सम्मान कर स्वागत किया गया। उपस्थित समाज के मौजिज लोगों, बुजुर्ग तथा पदाधिकारियों को सम्बोधित करते हुए रविन्द्र सैन सिद्धु ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारे पहले प्रधान राजीव बालियान व योगेन्द्र सैन ने बहुत ही मेहनत व कर्तव्य निष्ठा से संगठन को आगे बढ़ाया है। आज जो जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है मैं उस जिम्मेदारी को उठाने के लिए तैयार हुए हम सब मिलकर फरीदाबाद सैन समाज के लिए और अच्चे व बेहतर कार्य करेंगे तथा सैन समाज को को आगे बढ़ाने का हरसंभव प्रयास करेंगे। सैन जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन के साथ-साथ धार्मिक व सामाजिक कार्य को भी सैन समाज फरीदाबाद द्वारा निरन्तर किया जाएगा। जिसमें रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर व जरूरतमंदों की मदद का कार्य शामिल है। इस अवसर पर कुलदीप सैन, हरिशंकर सविता, राजीव बालियान, विनोद सैन, अनिल राणा, सुनील सैन, सैन अनिल धामा, ठा. लाल जी, कमल सिंह सैन, सुधीर माथुर सहित गणमान्य लोग मौजूद थे।

रोगनिरोधी टीकाकरण अभियान मिशन मोड में-विक्रम सिंह

Faridabad/Alive News

उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि पशुपालन एवं सुखाने विभाग ने रोगनिरोधी एचएस प्लस एफएमडी दोहरे टीकाकरण के लिए राज्यव्यापी अभियान शुरू किया है। यह टीकाकरण अभियान 29 मई से फरीदाबाद जिले में किसानों के घर तक मिशन मोड में चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एफएमडी और एचएस दोनों पशुधन के अत्यधिक संक्रामक रोग हैं, जो महत्वपूर्ण आर्थिक प्रभाव पैदा करते हैं, जानवरों और पशुधन उद्योगों में क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को बाधित करते हैं। जबकि एफएमडी विषाणु चालित और कम घातक है, लेकिन उच्च रुग्णता होने से सभी क्लोवेन पैर वाले जानवर प्रभावित होते हैं, जबकि एचएस जीवाणु जनित रोग है और गोजातीय प्रजातियों में उच्च मृत्यु दर होने के कारण अधिक घातक है।

पशुपालन एवं डेयरी, फरीदाबाद के उप निदेशक डॉ. वीरेंद्र सहरावत ने बताया कि पूरे जिले में विभाग के अधिकारियों और पशु चिकित्सकों की देखरेख में कुल 22 टीमों की प्रतिनियुक्ति की गई है। करीब 1.4 लाख मवेशियों का टीकाकरण किया जाना है। टीकाकरण अभियान के दौरान टीकाकृत पशुओं की उचित पहचान के लिए 12 अंकों के हार कोड वाले पशुओं की टैगिंग की जाएगी। इसके बाद पूरा डेटा भारत सरकार द्वारा संचालित एनएडीसीपी पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। उन्होंने आगे किसानों से अनुरोध किया कि वे पशु को ठीक से टीका लगवाएं और सरकार के लाभ लेने के लिए टैग करें।

स्टूडेंट-टीचर हरियाणा में छुट्टियों में खाली नहीं बैठेंगे

Faridabad/Alive News

हरियाणा के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों का ऐलान कर दिया गया है। राज्य में आज से स्कूल बंद हो गए हैं, अब 3 जुलाई को स्कूल खुलेंगे। इन छुट्टियों में शिक्षकों के साथ ही स्टूडेंट्स खाली नहीं बैठ पाएंगे। शिक्षा विभाग की ओर से इन्हें हर हफ्ते का काम दे दिया है। टीचर्स की स्टूडेंट्स को होम वर्क देने की ड्यूटी लगाई है। हर हफ्ते दो विषयों का स्टूडेंट्स को होम वर्क देना जरूरी किया गया है। हरियाणा के स्कूल एजुकेशन निदेशालय की ओर से इस बारे आदेश सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को जारी कर दिया गया है।

समर हीरो चैलेंज दिया नाम

जारी आदेश में निदेशालय की ओर से कहा गया है कि गर्मियों की छुट्टी का सही उपयोग हो सके इसके लिए विभाग ने समर हीरो चैलेंज अभियान शुरू किया है। इस चैलेंज के तहत 5 जून से 30 जून तक वन स्कूल PAL एप्लिकेशन पर शिक्षकों और स्टूडेंट्स को काम करना होगा। टीचर्स को इस चैलेंज के तहत स्टूडेंट्स को 2 सब्जेक्ट का होम वर्क देना होगा।

स्टूडेंट्स के लिए भी दिशा निर्देश

निदेशालय के आदेश में स्टूडेंट्स के लिए भी अलग से दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। इन्हें हर हफ्ते मिलने वाले होम वर्क में से एक सब्जेक्ट का काम जरूर करना होगा। इसके साथ ही जरूरी विषयों की हर हफ्ते एक केंद्रित अभ्यास प्रश्नोत्तरी पर भी काम करना होगा। यह काम ष्टष्टश्व के अंतर्गत आने वाले प्रोजेक्ट वर्क से अलग

रहेगा। इसके सीसीई में अंक नहीं जोड़े जाएंगे।

100 स्टूडेंट्स को मिलेगा पुरस्कार

शिक्षा विभाग के इस चैलेंज को पूरा करने वालों को समर पाल टीचर और समर पाल स्टूडेंट्स का खिताब दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त शीर्ष 100 स्टूडेंट्स और 50 टीचरों को भी विभाग की ओर से सम्मानित किया जाएगा। शिक्षा अधिकारियों को इन आदेशों का पालन सुनिश्चत कराने के लिए कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

हरियाणा उदय के तहत फरीदाबाद में विभिन्न कार्यक्रमों आयोजन-अपराजिता

Faridabad/Alive News

अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता ने बताया कि हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत जिला में आगामी 5 जून से लेकर 30 जून तक विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शुक्रवार 2 जून को गांव सागरपुर, बल्लभगढ़ में सफाई अभियान चलाया जाएगा जिसमें समस्त ग्रामवासी भाग लेंगे और आगामी 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजकीय मॉडर्न संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल एनआईटी-3 में पौधरोपण कार्यक्रम, मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार

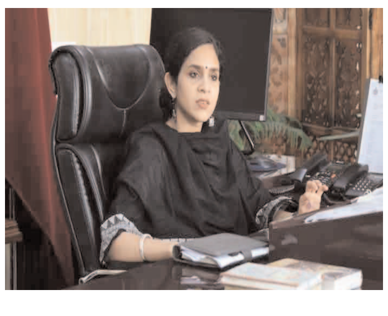

उत्थान योजना-लघु मेला और निरोगी हरियाणा के कैंप का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सामुदायिक जुड़ाव को मजबूत करना और प्रशासन और जनता के बीच बेहतर संबंधों को बढ़ावा देना और एक सुरक्षित और अधिक समावेशी समुदाय बनाना है जो उत्तरदायी है। मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना-लघु मेला और निरोगी हरियाणा मेले का उद्देश्य समाज की अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का सामाजिक उत्थान करना और ऐसे गरीब परिवार जिन्हें परामर्श और जांच के अभाव में शरीर में होने वाले रोग की जानकारी नहीं होती थी, उनके लिए यह योजना मेले अत्यंत लाभकारी सिद्ध होंगे। लाभार्थियों को परामर्श के साथ- साथ दवाइयां भी निशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। एडीसी अपराजिता ने जनता से अपील की है इस कार्यक्रमों में बढ़चढ़ अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

जीवा स्कूल में साइबर सुरक्षा एवं प्रशिक्षण सत्र आयोजित

Faridabad/Alive News

सेक्टर-21बी स्थित जीवा पब्लिक स्कूल में साइबर सुरक्षा और जागरूकता पर एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। इस सत्र में जिले के कई स्कूलों के शिक्षकों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण सत्र का उद्देश्य साइबर हमलों और खतरों के प्रति जागरूक होना, साइबर अपराधों से स्वयं व अन्य लोगों को सतर्क करना है। साइबर प्रशिक्षण सत्र आज के समय में बहुत महत्वपूर्ण विषय हैं, क्योंकि यह दुनिया भर में इंटरनेट और प्रौद्योगिकी के लगभग 2 बिलियन उपयोगकर्ताओं को डिजिटल और तकनीकी पहलुओं की आवश्यक जानकारी प्रदान करते हैं। ऐसे सत्र डिजिटल कार्यबल की मांगों को पूरा करने के लिए साइबर सुरक्षा मानसिकता को बढ़ावा देते हैं। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ डॉ रक्षित टंडन, एचपीएससी के अध्यक्ष एस. एस. गोसाई एवं विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान, उपाध्यक्षा चंद्रलता चौहान, प्रधानाचार्या अपर्णा शर्मा के दीप प्रज्वलित से हुआ। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ रक्षित टंडन एक साइबर सुरक्षा प्रचारक, राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ और भारत में विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए साइबर फोरेंसिक और एथिकल हैकिंग के अपराध जांचकर्ता हैं। इस कार्यक्रम में डॉ रक्षित टंडन ने बताया कि आज का दौर तकनीकी शिक्षा एवं पद्धति पर आधारित है और अधिकतर कार्य ऑनलाइन होते हैं, परन्तु दुख की बात यह है कि इस तकनीक का दुरूपयोग भी एक बड़ी चुनौती बन गई है। आज भांति-भांति के अपराध सामने आ रहे हैं। यह सभी अपराध सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से हो रहे हैं, जिसका शिकार बच्चे, वृद्ध, महिलाएँ, यहां तक कि पढ़ें लिखे लोग भी हो रहें हैं। इस कार्यक्रम में डॉ टंडन ने इन्हीं विषयों को उजागर किया एवं इनसे सुरक्षित रहने के उपाय भी बताए। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों को साइबर क्राइम से बचने हेतु अध्यापकों को सजग एवं सतर्क रहने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे अपने बच्चों पर तकनीकी प्रयोग के दौरान नियंत्रण रखें, इसके अलावा उन्होंने बताया कि अभिभावकों को अनेक उपाय भी बताए। इसके लिए उन्होने अनेक विश्वसनीय एप्स एवं तरीके बताए जिनसे अभिभावक अपने बच्चों पर नियंत्रण रख सकते हैं और उन्हें बताया कि एक निश्चित समय तक ही उन्हें सोशल मीडिया पर एक्टिव होने का समय दे सकते हैं। विद्यालय के अध्यक्ष ऋषिपाल चौहान ने कहा कि हमें अपने बच्चों को इसी प्रकार के जीवंत उदाहरण देकर ही समझाना चाहिए और पाठ्य योजनाओं में इन विषयों को अवश्य ही सम्मिलित करना चाहिए। बच्चों को वैदिक मूल्यों से प्रेरित कर उनके व्यवहार और आचरण में परिवर्तन करना चाहिए। इस कार्यक्रम के प्रायोजक किप्स पब्लिकेशन रहे। इस मौके पर एरिया मैनेजर मोहित टंडन, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट अंकित शर्मा, रीजनल मैनेजर सलमान खान शामिल रहे। इसके साथ-साथ एचपीएससी के उपाध्यक्ष सुरेश चंद्र, एफपीएससी के उपाध्यक्ष टी एस दलाल भी उपस्थित रहे।

'लव जिहाद' नियोजनबद्ध षड्यंत्र है : मणि मित्तल

Faridabad/Alive News

'लव जिहाद' नियोजनबद्ध षड्यंत्र है। इसके लिए भारी मात्रा में धर्मांधों को पैसों की आपूर्ति की जाती है। लव जिहादियों को बचाने के लिए कानूनी सहायता की जाती है। धर्मांतरण के लिए हिन्दू युवतियों को 'लव जिहाद'के जाल में फंसाकर उनकी हत्या हो रही है। कानून की अपनी मर्यादा होने से वह लोगों की रक्षा करने में असफल रहा है। इस अवसर पर झारखंड के 'पाञ्चजन्य' के पत्रकार रितेश कश्यप बोले, 'सेक्युलर, साम्यवादी आदि सभी दावा करते हैं कि 'लव जिहाद' द्वारा मुसलमानों के विरोध में प्रचार किया जाता है, परंतु वास्तव में भारत भर में 'लव जिहाद'की घटनाएं हो रही हैं। बांगलादेश सीमा से लगे झारखंड में बांग्लादेशी मुसलमान घुसपैठ सहित लगभग सभी अपराधों में संलिप्त पाए जाते हैं। झारखंड में स्थानीय धर्मांधों के साथ-साथ कट्टर बांगलादेशी एवं रोहिंग्या मुसलमान भी हिन्दू युवतियों को 'लव जिहाद' के जाल में खींच रहे हैं। सरकार को 'लव जिहाद' को भीषण संकट मानकर, अन्य अपराधों समान इसकी भी समीक्षा कर उसकी संख्या सार्वजनिक करनी चाहिए। आज हिन्दू माता-पिता एवं युवतियों में जागृति न होने से अनेक हिन्दू युवतियां 'लव जिहाद' की बलि चढ रही हैं। उन्हें सहजता से लक्ष्य बनाया जा रहा है। इसलिए 'लव जिहाद' की घटना रोकने के लिए केंद्र सरकार को कडा कानून बनाना चाहिए, ऐसी मांग करते हुए 'लव जिहाद' पर घर-घर चर्चा होना भी अत्यंत आवश्यक है, उपरोक्त बयान एक प्रेस नोट जारी कर सर्वोच्च न्यायालय की अधिवक्ता मणी मित्तल ने व्यक्त किया। वे हिन्दू जनजागृति समिति द्वारा आयोजित 'साक्षी, श्रद्धाज्कब तक 'लव जिहाद' में हत्या होती रहेंगी?' इस विषय पर ऑनलाइन 'विशेष संवाद' में बोल रही थीं। हिन्दू जनजागृति समिति के नागेश जोशी ने कहा, ''हाल ही में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने मान्य किया कि महाराष्ट्र में सैकडों युवतियां लापता हैं, 'लव

हरियाणा की भर्तियों में नया ऑर्डर: अब ऑनलाइन होगा पुलिस वेरिफिकेशन

Faridabad/Alive News

हरियाणा में ग्रुप ए, बी, सी और डी के जरिए सभी विभागों, बोर्डों, निगम-निकायों, नए भर्ती कर्मचारियों की नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी आएगी। इसके लिए राज्य सरकार ने मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली एप्लिकेशन (एचआरएमएस) में पुलिस सत्यापन को अपडेट करने के लिए एक नया ऑर्डर शामिल करने का निर्णय लिया है। अब यह पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी। सरकार की ओर से कहा गया है कि इस ऑर्डर के जरिए पुलिस वेरिफिकेशन की प्रक्रिया और आसान हो जाएगी। साथ ही समयबद्ध तरीके से पूरा भी होगी।

नियुक्ति आदेश में नहीं होगी देरी

वर्तमान में पुलिस वेरिफिकेशन की प्रक्रिया में काफी समय लग जाता है, जो

नियुक्ति आदेश जारी करने में देरी का कारण बनता है। इस प्रक्रिया के शुरू हो जाने से नियुक्ति के आदेश समय से जारी किए जा सकेंगे। मुख्य सचिव संजीव कौशल एचआरएमएस प्रणाली का उपयोग करते हुए ग्रुप ए, बी, सी और डी के नए भर्ती कर्मचारियों के पुलिस सत्यापन के लिए मॉड्यूल बनाने के संबंध में बैठक भी कर चुके हैं।

10 लाख उम्मीदवार कर चुके अप्लाई

हरियाणा स्टाफ सिलेक्शन कमीशन आने वाले दिनों में करीब 60 हजार भर्तियां करने जा रहा है। ये भर्तियां सी और डी ग्रुपों में की जाएंगी। एचएसएससी के चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी ने बताया कि सी ग्रुप में 32 हजार, डी ग्रुप में 12 हजार, 6 हजार महिला एवं पुरुष कांस्टेबल, 7500 टीजीटी व अन्य भर्तियां की जाएंगी।

इन भर्तियों के लिए करीब 10 लाख उम्मीदवारों ने अप्लाई कर दिया है। हम फिर से पोर्टल को खोलने जा रहे हैं, ताकि जिन लोगों ने अप्लाई नहीं किया है, वह भी इसमें अप्लाई कर सकें। ?

ग्रुप डी में 26 जून तक भर सकेंगे आवेदन

हरियाणा स्टाफ सलेक्शन कमिशन (एचएसएससी) ने ग्रुप डी के लिए सीईटी फॉर्म भरने को लेकर नोटिफिकेशन जारी किया है। जिसके तहत युवा 5 मई से अपने आवेदन अप्लाई कर पाएंगे। ऑनलाइन आवेदन करने वाले युवा ही परीक्षा में बैठ पाएंगे। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार 5 मई से 26 जून तक ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि निर्धारित की गई है। वहीं, 30 जून तक फीस भरी जा सकती है।

13536 पदों पर मांगे गए हैं आवेदन

युवाओं को भी ग्रुप डी के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होने का इंतजार था। जारी नोटिफिकेशन के अनुसार विभिन्न विभागों में करीब 13536 पदों के लिए ये आवेदन मांगे जा रहे हैं। जिसके लिए युवाओं की आयु सीमा 18 से 42 वर्ष तक होनी चाहिए। युवा 10वीं पास हो या उसके समकक्ष बोर्ड से डिग्री हो।

रक्तदाताओं को किया जाएगा सम्मानित-डीसी

Faridabad/Alive News

उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि लोगों को रक्तदान के लिए बढ़ावा देने और रक्तदाता का आभार जताने के लिए हर साल 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है। दुनियाभर में इस दिन को मनाने का उद्देश्य जरूरतमंदों को खून उपलब्ध कराना है ताकि खून की कमी से किसी मरीज की जान न जाए। इस वर्ष विश्व रक्तदाता दिवस 2023 के अवसर पर राष्ट्रीय स्तर के सम्मान समारोह के लिए नामांकन निम्न श्रेणियों के लिए मांगे गए है। उन्होंने बताया कि 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के युवा जिन्होंने 25 से अधिक बार रक्तदान एवं एफेरेसिस किया हो। ऐसे युवाओं को प्रमाण पत्र जारी किए जाएंगे। 01 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 के बीच अधिकतम रक्तदान के साथ 18 से 65 वर्ष की आयु के बीच 2 महिला दाताओं। सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेश द्वारा साझा किए गए नामांकन के आधार पर, शीर्ष 5 महिला रक्तदाताओं को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। दुर्लभ रक्त समूह दाताओं के लिए काम करने वाले गैर-सरकारी संगठनों को भी नामांकित करके सम्मानित किया जाएगा।

World Environment Week Celebrated at FMS

Faridabad/Alive News

Faridabad Model School, Sector-31 celebrated the World Environment Week with a lot of enthusiasm. Various activities were planned for the entire week in order to create awareness among the young generation to protect and preserve the degrading environment.

The celebration comprised of a quiz, a plantation drive & role plays to exhibit the significance of environment. The energy of students was at its peak throughout the week. A procession was carried by the students of class XI with high vigour and heartiness. The students prepared banners with attractive slogans to make the drive more effective. The efforts of our young FMSians got the support and blessings of the people during the procession.

Last but not the least, the World Environment Day, June 5, marked the culmination of the celebration. A special assembly was conducted by the students, along with the quiz and a skit, a pledge was taken by the entire FMS family to save energy and protect environment. Also, a team from ISHA foundation conducted a seminar to make the students aware about the declining condition of soil, with their ongoing campaign 'SAVE SOIL'. The volunteers explained the thought behind the campaign and how every member of the earth can contribute to the cause.

The program ended with a jingle and a dance, leaving the students with a happy heart and lots of enthusiasm for a better and promising future. FMS Director Principal Mr. Umang Malik appreciated the efforts of the students & the staff and pledged to continue the initiative throughout the year and make this world a better place not only for today but also for tomorrow.

Writer and Social Worker Presents Her Book 'Samvedna Ki Pukar' to Chief Minister

Faridabad/Alive News

Eminent writer and dedicated social worker, Mrs. Sweety Tomar, presented her latest book titled 'Samvedna Ki Pukar' to Haryana Chief Minister, Mr. Manohar Lal, in Chandigarh today. Mrs. Tomar was accompanied by her husband, Prof. Sushil Kumar Tomar, Vice-Chancellor of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, who extended his courtesy meeting to the Chief Minister.

During the meeting, Mrs. Tomar discussed the social issues concerning girl education and child marriage that are addressed in her book. She emphasized that education is a fundamental right of every child, regardless of their gender, and plays a pivotal role in establishing equality within society.

During the meeting with the Chief Minister, Mrs. Tomar apprised about the pressing social issues concerning girl education and child marriage that are addressed in her book. She emphasized that education is a fundamental right of every child, regardless of their gender, and plays a pivotal role in achieving equality within society.

Chief Minister Mr. Manohar Lal appreciated Mrs. Tomar's initiative in penning down a book that addresses such significant societal issues. He recognized the potential impact of books and literature such as 'Samvedna Ki Pukar' holds in creating a profound change within our society and commended Mrs. Tomar for her efforts to shed light on the importance of girl education and eradicate child marriage from our society.

Through 'Samvedna Ki Pukar', Mrs. Tomar eloquently delves into the social challenges faced by girls in accessing education and the detrimental effects of child marriage. Her work serves as a wake-up call, urging individuals and communities to prioritize education and eliminate regressive practices that hinder the progress of young girls.

A devoted social worker, Mrs. Sweety Tomar has consistently used her platform to advocate for the rights and empowerment of marginalized sections of society. 'Samvedna Ki Pukar' is a significant contribution to her remarkable body of work, inspiring readers to reflect upon these pressing issues and take action to foster positive change.

The event concluded with heartfelt gratitude expressed by Mrs. Tomar and her husband, Prof. Sushil Kumar Tomar, towards Chief Minister Mr. Manohar Lal for his unwavering support.

हरियाणा उदय के तहत गांवों में किए जाएंगे जनसंवाद-डीसी

Faridabad/Alive News

डीसी विक्रम सिंह ने कहा कि आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में प्रदेश भर में हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत ग्रामीण क्षेत्र में जनसंवाद कार्यक्रम चलाएं जाएंगे। अधिकारी एक ही मंच से लोगों को विभागीय योजनाओं का लाभ देंगे। डीसी विक्रम सिंह ने गत दिवस मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. उमाशंकर के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के बाद अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। डीसी ने बताया कि कार्यक्रमों का कैलेंडर तैयार करके मुख्यालय भेजा गया है। बता दें कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल के निर्देश पर जिला में कम्युनिटी आउटरीच कार्यक्रम चलाए जाएंगे। ये एक तरह के ग्राम जन संवाद कार्यक्रम होंगे। जहां हरियाणा उदय कार्यक्रम में होने वाली विभागीय गतिविधियों के लिए अधिकारियों ने कैलेंडर तैयार कर लिया गया है। जोकि मुख्यालय को भेजा गया है। इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र में पहुंचकर आमजन और प्रशासन के बीच और बेहतर संबंध बनाना है। वहीं कार्यक्रम गावों में सार्वजनिक स्थानों पर विभागों द्वारा सुबह 11 बजे शुरू करवा दिया जाएगा और सभी अधिकारी सायंकाल को भी मौके पर उपस्थित रहेंगे। इस दौरान लोगों को केंद्र व राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न सेवाएं व योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। पशुपालकों के लिए पशु चिकित्सा शिविर लगाए जाएगें। इसी प्रकार पौधारोपण व स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी विभिन्न प्रकार की उपचार सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। उल्लेखनीय है कि हरियाणा उदय का प्राथमिक लक्ष्य लोगों की सामूहिक भागीदारी है। ये कार्यक्रम जन भागीदारी के साथ होंगे। इस दौरान विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जिसमें लोगों से संवाद, सामूहिक रूप से तालाब की छंटाई करना, स्कूली बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रमों व खेल गतिविधियों बारे प्रतियोगिता करवाई जाएगी। इसके अलावा स्वच्छ भारत अभियान जैसे कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। कार्यक्रमों में आसपास के गांव की ग्राम पंचायतों को भी बुलाया जाएगा। ताकि इन गांवों के लोग भी इस जनसंवाद कार्यक्रम में पहुंचकर अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। यह महा अभियान चलाया जाएगा।

हरियाणा उदय के तहत सीही सरकारी स्कूल में युवा संसद कार्यक्रम आयोजन

Faridabad/Alive News

हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत एडीसी अपराजिता के मार्गदर्शन में मंगलवार को सेक्टर-8, सीही गांव के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीही के प्रांगण में सरकार के निर्देशानुसार युवा संसद के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ खंड शिक्षा अधिकारी बल्लभगढ़ महेंद्र सिंह व डाइट पाली से बलवंत ने दीप प्रज्वलित कर किया। सर्वप्रथम छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना पर एकल नृत्य और हरियाणवी समूह नृत्य का प्रभावी मंचन किया गया। इसके पश्चात विद्यालय की छात्राओं ने योग की भी सुंदर प्रस्तुति प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विद्यालय द्वारा 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं में श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम, सुपर 100 और बुनियाद कार्यक्रम में छात्राओं का चयन, कानूनी साक्षरता में छात्राओं द्वारा गोल्ड मेडल हासिल करना, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में अव्वल प्रस्तुति के बारे में भी प्रकाश डाला गया। आज का मुख्य आकर्षण ÷युवा संसद÷ कार्यक्रम छात्राओं द्वारा आकर्षक और प्रभावशाली रूप में प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, सत्तारूढ़ दल, मंत्रिमंडल, विपक्षी सदस्य, महासचिव बने छात्राओं ने अपने विशिष्ट अभिनय से समा बांध दिया। संसद की झलक के रूप में बहुत से प्रश्नों पर चर्चा की गई और सत्ता और विपक्ष की नोकझोंक के रूप में असली संसद का प्रतिबिंब तैयार किया गया। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी बल्लभगढ़ महेंद्र सिंह कहा कि भारत एक लोकतांत्रिक देश है तथा इस देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और प्रणाली की प्रशंसा पूरे विश्व में होती है। भारतीय लोकतंत्र में संसद का अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है, जहां विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा के साथ लोक कल्याण के लिए विधि का निर्माण किया जाता है। लोकतांत्रिक प्रणाली में संसदीय परंपरा के तहत लोकसभा, राज्यसभा, विधानसभा की व्यवस्था कायम है। संसद देश के हित में लगातार योजनाएं एवं कानून बनाता है। भारत की लोकतांत्रिक प्रणाली बहुत मजबूत है। जनप्रतिनिधि जनता के हित में लगातार सदन में अपने क्षेत्र की समस्याओं को रखते हैं। ÷युवा संसद÷ कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नेतृत्व का विकास करना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य जयप्रकाश ने की। कार्यक्रम का मंच संचालन रंजीता व पूनम ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रवक्ता विष्णु शर्मा, प्रेमचंद, संत सिंह हुड्डा, नीरजा रानी, शशि, नीतू शर्मा, राज भाटी,आशु गांधी, योगेश, मिथलेश, भुवनेश्वर, रविदत्त, संगीता, सविता रानी, देवलता, अर्चना, सीमा, पूनम, गरिमा अन्य सभी अध्यापकों ने भी विशेष सहयोग किया कार्यक्रम को सफल बनाने में। विद्यालय स्कूल प्रबंधन समिति विशेष रूप से उपस्थित रही।

Gunjan Kutiyala visited J. C. University media department

Faridabad/Alive News

Gunjan Kuthiala, a renowned writer, producer, lyricist and life coach visited the Department of Communication and Media Technology at J. C. University of Science and Technology, YMCA, Faridabad. During her visit, she interacted with the students of journalism and Mass Communication and shared her inspiring journey of life. The interaction focused on various topics such as career opportunities, movie making, and motivation. The students had the opportunity to ask questions and clear their doubts on various aspects related to their field of study. Some of the questions asked were about overcoming the fear of being judged, building a good team, and making the right decisions. Before the interaction, Gunjan Kuthiala was felicitated with saplings and a token of regards by Dr. Pawan Singh, the chairperson of the department. The event was attended by Assistant Professor of CMT department Dr. Taruna Narula, Dr. Sonia Hudda, Dr. Rahul Arya, Senior Instructor Mr. Dushyant Tyagi, Assistant production Mr. Pankaj Saini and Mr. Ramraspal Singh.

The visit by Gunjan Kuthiala was an enriching experience for the students as they gained valuable insights into the world of media and entertainment. The interaction provided them with a platform to learn from the experiences of a successful professional in their field of study.

फरीदाबाद पुलिस मुख्यालय में 19.17 लाख लीटर रेन हार्वेस्टिंग सिस्टम का हुआ उद्घाटन

Faridabad/Alive News

पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने सोमवार को सेक्टर 21सी स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम का उद्घाटन किया। उद्घाटन में डीसीपी मुख्यालय हेमेंद्र कुमार मीणा, एसिस्टेंस कमिश्नर अंडर ट्रेनिंग आईएएस सोनू भट्ट, एसीपी मुख्यालय अमन यादव, कार्यालय के केयर टेकर कुलदीप नागर तथा गुरुजल कंपनी की तरफ से ट्रस्टी आशीष कपूर, आदित्य कपूर, मैनेजर सचिन कुमार व सिविल इंजीनियर आशीष कुमार तिवारी मौजूद रहे। यह रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम गुरुग्राम स्थित गुरुजल कंपनी द्वारा तैयार किया गया है। पुलिस प्रवक्ता सूबे सिंह ने बताया कि पुलिस आयुक्त कार्यालय में वर्षा के दिनों में काफी पानी इकट्ठा हो जाता है परंतु इससे पहले हार्वेस्टिंग सिस्टम नहीं होने के कारण यह पानी वापिस जमीन में नहीं जा पा रहता था और नालों में बहकर बाहर चला जाता था। वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनने के पश्चात इस जल का उपयोग ग्राउंड वाटर को रिचार्ज करने में किया जा सकता है। वर्षा का जल इकट्ठा होकर इस सिस्टम में छन छनकर धरती के अंदर जाएगा जिससे दिन प्रतिदिन कम हो रहे ग्राउंड वाटर के स्तर को ऊंचा उठाने में मदद मिलेगी। इस वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की कैपेसिटी करीब 92 हजार लीटर है जोकि वर्ष के एक दिन में 8148 लोगों के पानी की आवश्यकता को पूरा कर सकता है और इसका रिचार्ज पोटेंशियल प्रतिवर्ष 55 हजार बाल्टी पानी के बराबर है। अभी पीछे कुछ दिनों में हुई बरसात में इस वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम में करीब 5.50 लाख लीटर पानी रिचार्ज किया जा चुका है। इसके बनने से आसपास लगे हुए पानी के पंप में जल की कमी नहीं होगी और वह लंबे समय तक चल सकेंगे। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की यदि कोई भी संस्थान या व्यक्ति इस प्रकार का रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाना चाहता है तो वह गुरुजल ऑफिस से 93114 11998 पर संपर्क कर सकता है। पुलिस आयुक्त विकास कुमार अरोड़ा ने कहा कि इस प्रकार के जल हार्वेस्टिंग सिस्टम की पूरे फरीदाबाद में आवश्यकता है क्योंकि फरीदाबाद बारिश का पानी धरती के अंदर नहीं जा पाता और नालों में बह जाता है। उन्होने कहा कि फरीदाबाद के अन्य संस्थानों में भी इस प्रकार की रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगवाने की आवश्यकता है।

आईसीएआई में रक्तदान शिविर का आयोजन

Faridabad/Alive News

चार्टर्ड अकाउंटेंट इंस्टीट्यूट फरीदाबाद और रेडक्रास सोसाइटी फ़रीदाबाद के संयुक्त तत्वावधान मे आईसीएआई के प्रांगण मे एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया। इस शिविर मे अजय गौड़ पूर्व राजनैतिक सचिव मुख्यमंत्री हरियाणा बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। फरीदाबाद सीएमओ डॉ विनय गुप्ता और डीएसपी सीएम फ्लाइंग राजेश चेची ने विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर रक्तदानियों को प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर मुख्यातिथि ने युवाओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमें रक्तदान मुहिम के साथ जुड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को रक्तदान के महत्व का अहसास जब होता है जब कोई उसका अपना नजदीकी रक्त की कमी से जिदंगी और मौत से जुझ रहा होता है। उन्होने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं हो सकता, हमें समय-समय पर अपना रक्तदान करते रहना चाहिए जिससे रक्तकोष में रक्त का अभाव ना रहे और किसी भी व्यक्ति को समय रहते रक्त उपलब्ध करवाया जा सकेऔर दान किए गए रक्त से आपातकालीन स्थिति में किसी जरूरत मन्द व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है।

नागरिक अस्पताल के सीएमओ डॉ विनय गुप्ता ने कहा कि हमें नियमित रक्तदान करने के लिए आमजन को प्रेरित करना चाहिए जिससे कि हर युवा इस अभियान से जुड़ सके। संस्थान के चेयरमैन सीए नीतेश पाराशर ने सभी प्रशिक्षनार्थियों को रक्तदान के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि हमें इस अभियान से जुड़कर ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रक्तदान के लिए प्रति प्रेरित करना चाहिए। इस अवसर पर रैड क्रॉस सचिव बिजेन्द्र सोरौत ने कहा कि रक्तदान के क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से हरियाणा में फरीदबाद प्रथम पायदान पर रहा है तथा गत वर्ष 2022-23 में भी सभी सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं व रक्तदानियों की बदौलत प्रथम स्थान पर रहा है, इसीलिए सभी फरीदाबाद के रक्तदाता बधाई के पात्र हैं। एनआईआरसीसी के अध्यक्ष सीए नितेश पराशर ने बताया कि हमारा इंस्टिट्यूट मानवता के बहुत सारे कार्य करता आ रहा है, हमारे इंस्टिट्यूट के द्वारा निरंतर रक्तदान शिविर लगाए जाते है। इस अवसर पर सीए कनिका गुप्ता (उपाध्यक्ष), सीए मोहित अग्रवाल (सचिव), सीए मनुज गर्ग (कोषाध्यक्ष), सीए हर्ष मित्तल (पूर्व अध्यक्ष), सीए संजय गुप्ता, सीए शिव शर्मा, सीए राजिंदर सिंह ढिल्लों (कार्यकारी सदस्य), भाजपा जिला उपाध्यक्ष पंकज रामपाल, नीलम चौधरी एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे

सरकार की अनदेखी के चलते अनुबंधित बिजली कर्मचारियों में रोष

Faridabad/Alive News

सोमवार को अनुबंधित बिजली कर्मचारी संघ हरियाणा संबंधित भारतीय मजदूर संघ जिला इकाई फरीदाबाद की बैठक प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य गजेंद्र यादव की अध्यक्षता में हुई। बैठक में जिला सचिव अजय यादव एवं कोषाध्यक्ष जितेन्द्र ने कहा खेदड़ एवं यमुनानगर थर्मल में जो 42 दिन से धरना चल रहा है, उस पर सरकार जल्द से जल्द संज्ञान ले और तुरंत प्रभाव से कर्मचारियों को हरियाणा कौशल रोजगार निगम में शामिल करे। इसके साथ-साथ पिछले 2 साल से वेतन की बढ़ोतरी नहीं की जा रही है, कर्मचारियों के लिए किसी भी प्रकार की मेडिकल पॉलिसी नहीं दी जा रही मांगों पर सरकार से बार बार पत्राचार किया जा रहा है और बैठक के लिए समय मांगा जा रहा है जो समय नहीं दिया जा रहा। उपरोक्त सभी अनदेखी के चलते अनुबंधित बिजली कर्मचारी संघ हरियाणा में भारी रोष है। अगर, संगठन इस बारे में किसी भी प्रकार की लड़ाई का ऐलान करता है तो फरीदाबाद जिला बढ़-चढ़कर भाग लेगा और सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता पहुंचाने का काम करेंगे।

वृक्षों को देवता मानता है सनातन धर्म-स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य

Faridabad/Alive News

श्री सिद्धदाता आश्रम के जगदगुरु स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य महाराज ने सोमवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधे रोपे और शिष्यों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित किया। इनमें पिलखन जैसे छाया देने वाले वृक्ष एवं नींबू, संतरे जैसे फल देने वाले वृक्षों के पौधे शामिल किए गए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारी धरा के आभूषण तो हैं ही साथ में यह हमारे लिए जीवन दायक भी हैं। हमें प्राणवायु इनसे प्राप्त होती है। अनेक प्रकार के फल और रस इनसे प्राप्त होते हैं जिनसे औषधियों का भी निर्माण होता है। इनसे प्राप्त होने वाली लकड़ी हमारे काम आती है। स्वामी पुरुषोत्तमाचार्य ने कहा कि वृक्ष हमारे जन्म से लेकर अंतिम यात्रा तक उपयोगी होते हैं ऐसे में इनकी संख्या में कमी आएगी तो संतुलन बिगड़ेगा। इसलिए हम सभी को अपने जीवन में कम से कम 10-10 पौधे अवश्य लगाने चाहिए और उनको बड़ा होने तक पालना चाहिए। स्वामीजी ने कहा कि वृक्षों की उपयोगिता को देखते हुए हमारे सनातन धर्म में इन्हें देवता का स्थान दिया गया है। ऐसे अनेक पौधे एवं वृक्ष हैं जिनकी हम पूजा भी करते और ऐसे अनेक वृक्ष हैं जिनको काटने के बारे में सोचना भी पाप माना गया है। कारण स्पष्ट है कि हमाने मनीषियों को इनका महत्व पता था और उन्होंने इनके संरक्षण के लिए अनेक धार्मिक नियम बनाए थे लेकिन आज का मानव भौतिकवाद में इतना रम गया है कि वह सबकुछ भूल कर केवल अपना हित साधने में लगा है जिसकी कीमत भी चुका रहा है। उन्होंने इस अवसर पर बड़ी संख्या में मौजूद शिष्य एवं भक्तगण को भी पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया।

JC University launched Plantation Drive on World Environment Day

Faridabad/Alive News

J.C. Bose University of Science and Technology YMCA Faridabad today launched a Tree plantation drive on the occasion of World Environment Day as a part of MeriLIFE Mission Movement of Govt. of India as a key to combating climate change and promote plantation. The event was organized by Vasundhara Eco-club and Department of Environmental Sciences of the University. The objective of this event was to initiate a massive plantation drive in-line with 'One Student, One Tree 2023' Mission of AICTE.

The Vice-Chancellor of the university, Professor Sushil Kumar Tomar, presided over the program. He emphasized that the World Environment Day 2023 provides hope and an opportunity for all of us to contribute to the protection of the environment and the well-being of the planet at a time when extreme temperatures, unusual storms and cyclones, and natural disasters constantly remind us of the irreparable damage that has been done to Mother Earth.He further informed that university has been taking initiatives to aware the people to encourage lifestyle that focuses on mindful and deliberate utilisation of resources, and aims to change the present 'use and dispose' consumption habits.

Sh. Amit Arya, Media Advisor to the Chief Minister Haryana launched the event by planting a Banyan sapling in the campus. He appreciated the efforts made by the University for initiating the plantation drive time to time. Dr. Bharat, University Institute of Legal Studies, Panjab University, Chandigarh was also present on the occasion and planted a Jamun sapling.

Dr Renuka Gupta, Chairperson Incharge of Department of Environmental Sciences and convener of the Eco-club apprised that the plantation drive will continue in the month of July and August 2023. She requested all students, faculty and staff members of the university to plant at least one tree having suitable utility in the respective areas. The name of the Tree may be given on the name of person who planted that tree. To ensure this, a link will be shared shortly to upload the details about the tree planted by the stakeholders. As an incentive for carrying out plantation, students/ faculty/ staff members will be recognized as Pro Planet People and certificate of appreciation will also be awarded. The event was successfully coordinated by members of Eco-club Dr. Preeti Sethi, Dr. Sakshi Kalra, Dr. SomvirBajar and Dr. Anita Girdhar.

Faridabad News

ALIVE NEWS
E-mail : alivenews30@gmail.com
website: www.alivenews.co.in

स्मार्ट ई व्हीकल निर्माण की हब बनेगा श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय

Faridabad/Alive News

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय ई व्हीकल निर्माण की इनोवेटिव हब बनेगा। इसकी शुरुआत विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने पहला ई व्हीकल बनाकर कर दी है। अगला कदम इसे सौर ऊर्जा से चलाने और इस व्हीकल को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा कंप्यूटर से जोड़ना होगा। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू इस इनोवेटिव प्रोजेक्ट में खास दिलचस्पी ले रहे हैं। उन्होंने कंप्यूटर साइंस विभाग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सोलर एनर्जी और 4.जीरो डिपार्टमेंट को इसमें सम्मिलित कर इसे मल्टीडिसीप्लिनरी प्रोजेक्ट बनाने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। ऐसा करने से विश्वविद्यालय में नए विद्यार्थी आएंगे नए प्रोजेक्ट विकसित होंगे। विद्यार्थी इस प्रोजेक्ट को अपना स्टार्टअप बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि इस ई व्हीकल के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कंप्यूटर साइंस, सोलर एनर्जी और 4 पॉइंट जीरो मल्टीडिसीप्लिनरी सम्मिलित होने से यह मार्केट में उपलब्ध दूसरे ई व्हीकल से काफी एडवांस होगा। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय इस प्रोजेक्ट को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए ई व्हीकल के क्षेत्र में काम करने वाले दो बड़े संस्थानों के साथ एमओयू करने पर भी विचार कर रहा है। इससे डिजाइन और इनोवेशन में सहायता मिलेगी। फैकल्टी स्टूडेंट पार्टनरशिप और मेंटोरशिप के जरिए प्रोजेक्ट काफी आगे बढ़ सकता है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय इसी आधार पर काम कर रहा है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू का कहना है कि विद्यार्थियों ने दिन-रात मेहनत करके ई व्हीकल तैयार किया है। सबसे बड़ी बात है कि इसको बनाते समय बाहर से किसी विशेषज्ञ की सहायता नहीं ली गई है। विद्यार्थियों ने ही सारा तकनीकी काम स्वयं किया। इस ई व्हीकल को बनाने के साथ ही विद्यार्थियों ने कई चीजें एक साथ सीखी हैं। इसमें उन्होंने डिजाइन, ऑटोमेशन, संरचना और वेल्डिंग से लेकर यात्रियों की जरूरतों को समझने में मदद मिली है। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय स्किल के इमर्जिंग एरिया में काम कर रहा है, ताकि विद्यार्थियों को तकनीकी जटिलताओं को हल करने, जोखिम उठाने और नवाचार के साथ जुड़ने में मदद मिले। इसी मकसद से कैंपस में नए

एक्सपेरिमेंट किए जा रहे हैं, ताकि विद्यार्थी खुद करने और सीखने से वर्तमान तथा भविष्य की तकनीक में पारंगत हों। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि इससे विद्यार्थियों में कौशल का विकास होगा और आज मार्केट में इसी कौशल की आवश्यकता है।

छह विद्यार्थियों ने बनाया ई व्हीकल

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के रोबोटिक्स एंड ऑटोमेशन प्रोग्राम के छह विद्यार्थियों ने कुलपति डॉ. राज नेहरू के आह्वान पर ई व्हीकल बनाने की पहल शुरू की थी। विद्यार्थियों ने खुद इसे डिजाइन किया है। इसकी चेसिस से लेकर बॉडी तक और सॉकेट से लेकर स्टियरिंग तक सब कुछ विद्यार्थियों ने अपने हाथों से तैयार किए हैं। उन्होंने इस ई व्हीकल के लिए खुद ही सामान इकट्ठा किया। सूरज, साहिल, अनिल, अनंत, दुनी चंद और जतिन जब इस नवाचार में जुटे तो उनके पास आइडिया था और जुनून था।

सूरज का कहना है कि विश्वविद्यालय परिसर 82 एकड़ से भी ज्यादा में फैला है। इसलिए परिसर में आने वाले लोगों के लिए एक ई व्हीकल की आवश्यकता थी। कुलपति डॉ. राज नेहरू के प्रोत्साहन के बाद इस ई व्हीकल को और अधिक स्मार्ट बनाने के लिए नवाचार पर काम चल रहा है। डीन प्रो. रणजीत सिंह ने बताया कि यह ई व्हीकल एक बार की चार्जिंग में 90 किलोमीटर की दूरी तय करता है। इसको तैयार करने में सहायक प्रोफेसर डॉ. कृष्णा, गौरव और सीनियर स्किल इंस्ट्रक्टर संसबीर की अहम भूमिका रही। प्रो. रणजीत सिंह ने बताया कि विकास चौधरी ने अपनी वर्कशॉप देकर विद्यार्थियों का काफी सहयोग किया।

इंडस्ट्री को पसंद आ गया प्रोजेक्ट

इंडस्ट्री को भी यह प्रोजेक्ट काफी पसंद आया है। ईस्ट वेस्ट ऑटोमेशन प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक अरविंद कौल ने श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के इस प्रोजेक्ट को इतना पसंद किया कि देखते ही 50 हजार के इनाम की घोषणा कर दी। गुरुग्राम विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश अग्रवाल ने इस ई व्हीकल में ने केवल ड्राइव ली, बल्कि अपने विश्वविद्यालय के परिसर के लिए एक ई विकल्प बनाने का ऑर्डर भी एडवांस में दे दिया। पंडित लख्मीचंद स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ परफॉर्मिंग एंड विजुअल आर्ट के कुलपति गजेंद्र चौहान खुद इस ई व्हीकल की ड्राइव लेकर श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों की मुक्तकंठ प्रशंसा कर चुके हैं। यह ई व्हीकल बहुत कम अवधि में केवल एक लाख 90 हजार रुपए की लागत से बन कर तैयार हुआ है।

जिलाधीश ने 7 विदेशी नागरिकों को दिये नागरिकता के प्रमाण पत्र

Faridabad/Alive News

जिलाधीश विक्रम सिंह ने आज सोमवार को 7 विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान की है। आपको बता दें पूरे देश में 13 जिलाधीशों को ही भारत सरकार ने यह विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने की शक्ति प्रदान की गई है। इनमें फरीदाबाद का जिलाधीश भी शामिल है। केंद्र सरकार ने नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 16 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अफगानिस्तान, बांग्लादेश, पाकिस्तान देश के अल्पसंख्यक समुदायों के किसी भी व्यक्ति इनमें हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई को भारतीय नागरिकता देने का अधिकार जिलाधीश को भारतीय नागरिकता अधिकार देने का अधिकार प्रदान किया गया है। नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 5 के अधीन भारत के नागरिक के रूप में रजिस्ट्रीकृत करने अथवा धारा 6 के अधीन उसे देशीकरण संबंधी प्रमाण पत्र प्रदान करने के लिए उसके द्वारा प्रयोग की जाने वाली शक्तियों के तहत यह नागरिकता जिलाधीश विक्रम सिंह ने प्रदान की है। देश के गुजरात राज्य के मोरबी, राजकोट, पाटन एवं बड़ोदरा और छत्तीसगढ़ राज्य के दुर्ग तथा बलोदा बाजार, राजस्थान प्रांत के जालौर, उदयपुर, पाली, बाड़मेर और सिरोही, हरियाणा प्रांत के फरीदाबाद तथा पंजाब प्रांत के जालंधर के जिलाधीश को भारत सरकार ने नागरिकता प्रदान करने का अधिकार दिया है। नागरिकता लेने वालों में अफगानिस्तान से जुली बाई, जेनी बाई, अनमोल रतड़ा और प्रियंका शामिल हैं। पाकिस्तान से पठानी, जमना देवी और कनिआ बागरी शामिल है।

'हरियाणा उदय अभियान' के तहत विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधारोपण

Faridabad/Alive News

आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में हरियाणा उदय अभियान के तहत विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज सोमवार को एनआईटी 3 स्थित गवर्नमेंट मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में अन्त्योदय परिवार उत्थान मेले व निरोगी हरियाणा योजना के तहत निशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल ने पौधरोपण कर मेले का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला वन अधिकारी राजकुमार भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।एसडीएम परमजीत चहल ने बताया कि पूरे प्रदेश में हरियाणा उदय नाम से सामुदायिक कार्यक्रम की शुरुआत की गयी है। हरियाणा उदय अभियान का उद्देश्य सामाजिक लक्ष्य की प्राप्ति तथा आमजन के साथ बेहतर संवाद स्थापित करना है। एसडीएम परमजीत ने सभी से अपील करते हुए कहा कि पर्यावरण का संरक्षण हमारे तथा हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए आवश्यक है। इसलिए आप सभी किसी न किसी खुशी के अवसर या त्यौहारों पर पौधरोपण करें व उसकी देखभाल करें। उन्होंने आगे कहा कि पेड़-पौधे व आस-पास हरियाली के कारण हमारा वातावरण शुद्ध होगा जोकि हम सभी को स्वस्थ रहने में लाभदायक साबित होगा। उन्होंने बताया कि ÷हरियाणा उदय÷ अभियान के अंतर्गत जिला में अलग-अलग समय पर विभिन्न स्थानों पर परिवार उत्थान मेलों व निरोगी हरियाणा योजना के तहत निशुल्क हेल्थ चेकअप कैम्पों का आयोजन किया जा रहा है। 6 जून को एनआईटी 3 स्थित मॉडल संस्कृति स्कूल में, 7 व 8 जून को बल्लभगढ़ स्थित गवर्मेंट गर्ल्स मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में तथा 9 व 10 जून को तिगांव स्थित शहीद स्मारक गवर्मेंट कॉलेज में इन मेलों का आयोजन किया गया। इन मेलों का उद्देश्य सालाना एक लाख 80 हज़ार से कम आय वाले परिवारों की आय को बेहतर रोज़गार अवसर व विभिन्न योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर को बेहतर करना है। उन्होंने आगे बताया कि इन मेलों के साथ-साथ निरोगी हरियाणा अभियान के तहत निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैम्पों का आयोजन भी किया जा रहा है। जिसमें आमजन अपने स्वास्थ्य की निःशुल्क जांच करा सकते हैं। एसडीएम परमजीत चहल व जिला वन अधिकारी राजकुमार द्वारा स्कूल के पांच छात्र जिन्होंने जेईई की परीक्षा पास की है। उनको सम्मानित भी किया गया। मेले में पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग विभाग, राज्य बाल कल्याण परिषद्, पशुपालन एवं डेरी विभाग, रेडक्रॉस, मतस्य विभाग सहित अन्य विभागों की स्टालें लगाई गयी। इस अवसर पर स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. परेश गुप्ता, सीएमजीजीए श्रुति शर्मा, बीईओ मनोज मित्तल सहित अन्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

NSUI की मांग पर नेहरू कॉलेज में आये 6 नए कोर्स, छात्रों में खुशी की लहर

Faridabad/Alive News

एनएसयूआई फ़रीदाबाद के कार्यकर्ताओं ने एनएसयूआई हरियाणा के पूर्व प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री के नेतृत्व में कॉलेज में नए कोर्स आने पर खुशी जाहिर करते हुए सरस्वती माता की मूर्ति पर माल्यार्पण किया व कॉलेज के प्राचार्य महेंद्र कुमार गुप्ता का मुंह मीठा कराया और छात्रों में लड्डू बांटे। इस दौरान प्रो. राजेंद्र सिंह, प्रो. अंकित कौशिक, प्रो. देवेंद्र, प्रो. हरवंश मुख्य रूप से मौजूद थे। एनएसयूआई हरियाणा के प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने बताया कि एनएसयूआई फ़रीदाबाद का 2 साल का संघर्ष रंग लाया हैं जिसके चलते कॉलेज में 6 नए कोर्स आये हैं। कृष्ण अत्री ने बताया कि नए कोर्स में बीए जियोग्राफी ऑनर्स, बीए हिंदी ऑनर्स, एमए जियोग्राफी, एमएससी फिजिक्स, एमसीए तथा पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन कंप्यूटर एप्लीकेशन शामिल हैं। उन्होंने बताया एनएसयूआई ने कुल 6 कोर्स की मांग की थी जिनमें से 4 कोर्स को मंजूरी मिली हैं तथा बाकी 2 कोर्स की मांग कॉलेज प्रशासन द्वारा की गई थी। कृष्ण अत्री ने बताया कि इन कोर्स को कॉलेज में लाने के लिए एनएसयूआई कार्यकर्ताओ ने काफी प्रयास किये। उन्होंने बताया कि इस मांग को लेकर 30 जनवरी 2021 को नेहरू कॉलेज के प्राचार्य महेंद्र गुप्ता को उच्चतर शिक्षा विभाग के डायरेक्टर अजित बालाजी जोशी के नाम ज्ञापन सौंपा था और इसके बाद 10 फरवरी 2021 को नेहरू कॉलेज के गेट पर हस्ताक्षर अभियान

चलाया था जिसमें 2500-3000 छात्रों ने हस्ताक्षर करके सहमति दर्ज करवाई थी। 13 फरवरी 2021 को नेहरू कॉलेज में पहुँचे विधायक राजेश नागर को ज्ञापन सौंपा था। इसी संघर्ष के ही चलते सत्र 2022-2023 में बीए जियोग्राफी कोर्स शुरू हुआ था और अब सत्र 2023-2024 की शुरुआत में ही 5 नए कोर्स और शुरू हो रहे है। इस दौरान युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष आकाश पंडित, एडवोकेट शशांक जैन, आरिफ खान, पुनीत सहरावत, सोनू सिंह, मनीष चौधरी, सुमित तंवर, निपुण गौड़, गैरी तंवर, लक्ष्य ठाकुर, सचिन त्यागी, लावनीष, हर्ष चौधरी, अभिषेक, रिंकेश, अनुज सोरौत आदि छात्र मौजूद थे।

सेक्टर-11आरडब्लयूए ने किया कौशिक का फूल मालाओं से भव्य स्वागत

Faridabad/Alive News

फरीदाबाद विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सेक्टर-11-सी ब्लॉक आरडब्लयूए के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव बलजीत कौशिक का फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया। वहीं बलजीत कौशिक ने भी नवनियुक्त पदाधिकारियों को फूल- माला पहनाकर बधाई एंव शुभकामनांए दी और उनसे उम्मीद जताई कि वह अपने क्षेत्र के सभी निवासियों की हर समस्या का समाधान करने में सक्षम रहेंगे। इस मौके पर बलजीत कौशिक ने आरडब्लयूए को आश्वासन दिया कि वह हर समय लोगो की मदद के लिए तत्पर रहेंगे और उनकी कोशिश रहेगी कि वह लोगों में भाई चारा कायम करने के साथ उनकी जन समस्याओं को भी तेजी से उठाने का कार्य करेंगे। कौशिक ने कहा कि आज जनता भाजपा के राज में हर प्रकार से दुखी है व मूलभूत सुविधाओं को तरस रही है लेकिन आने वाला समय कांग्रेस का होगा तब लोगो को इस प्रकार की परेशानियों से झुझना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन में महंगाई सिर चढ़ कर बोल रही है कानून व्यवस्था चरमरा गई है जिसका निदान

केवल कांग्रेस सरकार है। इस मौके पर विनोद कौशिक अध्यक्ष विचार मंच हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी, सतबीर चाहर चेयरमैन आरडब्लयूए, आर. के. शर्मा वाईस चेयरमैन, नंदराम पाहिल प्रधान, राजेश तेवतिया महासचिव, विकास सोलंकी कोषाध्यक्ष, रामबीर सोलंकी वरिष्ठ उपप्रधान, पवन मिगलानी उपप्रधान, ओजेन्द्र प्रकाश संयुक्त सचिव, सुनील पराशर, चमन नागर, किशन दत्त शर्मा, रविन्द्र चाहर जन संपर्क अधिकारी, अनील कुमार कानूनी सलहाकार, जितेन्द्र चौधरी सलहाकार, राजेश हण्डू लेखा परिक्षक, अजय चोपड़ा, अशोक भाटिया, ओमप्रकाश, राजेन्द्र, यशवीर गुलाटी, सुरेन्द्र मलिक एवं एम.एल. अरोड़ा मौजूद रहे।

सराय के सरकारी स्कूल ई-अधिगम मेगा पीटीएम का आयोजन

Faridabad/Alive News

शिक्षा विभाग के आदेशानुसार गवर्नमेंट मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सराय ख्वाजा फरीदाबाद में ई अधिगम बारे मेगा पीटीएम का आयोजन किया गया। विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि देश में ऑनलाइन शिक्षा के स्तर को देखते हुए हरियाणा सरकार द्वारा छात्रों के लिए ई अधिगम योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के माध्यम से दसवीं से लेकर बारहवीं तक के सभी विद्यार्थियों को टैबलेट दिए जा रहे हैं। इस टैबलेट की सहायता से विद्यार्थियों को ऑनलाइन शिक्षा ग्रहण करने में सुगमता होगी। हरियाणा ई अधिगम योजना के अंतर्गत मिलने वाले टैबलेट के प्रयोग से छात्र गुणवता परक शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे

और आगे आने वाले समय में यह टैबलेट छात्रों की आजीविका में भी काम आएगा। हरियाणा राज्य में रहने वाले सभी विद्यार्थी इस ई अधिगम योजना के माध्यम से मिलने वाले टैबलेट में पर्सनलाइज्ड और अटैंटिव लर्निंग सॉफ्टवेयर के साथ प्रीलोडेड कंटेंट होंगे। इसके साथ ही इंटरनेट की सुविधा के लिए दो जी बी निःशुल्क डाटा भी प्रदान किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत मिलने वाले टैबलेटों से छात्रों के लिए शिक्षा प्रदान करना सुगम हो जाएगा। टैबलेट मिल जाने से छात्र अपने अध्यापक तक ही सीमित नहीं रहेंगे वह ऑनलाइन ई लर्निंग के माध्यम से भी शिक्षा प्राप्त कर पाएंगे।

प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने कहा कि अध्यापकों ममता गौड़, सुशीला, रविंद्र, आरती और अन्नू सहित अन्य अध्यापकों ने अभिभावकों से कहा कि आप का बेटा और बेटी टैबलेट पर क्या क्या कंटेंट देखते हैं विभाग द्वारा मॉनिटर किया जा रहा है जो विद्यार्थी और अध्यापक ई अधिगम के अंतर्गत विभाग द्वारा निर्धारित लर्निंग कंटेंट को निर्धारित अवधि में पूर्ण करेंगे उन्हें शिक्षा विभाग द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा।

प्राचार्य ने अभिभावकों से आग्रह किया की वे अपने बच्चों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर ई अधिगम द्वारा प्राप्त की जा रही शिक्षा को सांझा करें तथा ध्यान दे कि बच्चे अन्य प्लेटफार्म सर्च न करें। प्राचार्य मनचंदा ने पीटीएम में आए सभी अभिभावकों और विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए अपने सभी अध्यापकों का सुंदर संयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

जेआरसी सराय ख्वाजा स्कूल ने पौधरोपण कर मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

Faridabad/Alive News

सराय ख्वाजा राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के विधार्थियों ने स्कूल के प्रांगण में पौधरोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। विद्यालय की जूनियर रेडक्रॉस और सैंट जॉन एंबुलेंस ब्रिगेड अधिकारी प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा, अनिल कुमार, ब्रह्म देव यादव, जेआरसी सदस्यों और अध्यापकों ने विधार्थियों के साथ मिलकर विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने पौधे लगाकर पर्यावरण बचाने का संदेश देते हुए कहा कि ग्लोबल वार्मिंग ने पर्यावरण के लिए एक बडा खतरा पैदा कर दिया है। जनसंख्या नियंत्रण और पर्यावरण के प्रति जागरूक होकर ही भविष्य के इस खतरे से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार आज जल संकट भयावह रूप ले रहा है, वहीं मनुष्य जाति के साथ जीव जंतुओं और सम्पूर्ण सृष्टि के लिए भी चिंताजनक है। पौधा रोपण करके सृष्टि को बचाना हम सभी का कर्तव्य होना चाहिए। प्राचार्य रविंद्र कुमार मनचंदा ने पौधरोपण में सहयोग करने पर सभी जेआरसी और ब्रिगेड सदस्यों, अध्यापकों और नॉन टीचिंग स्टाफ सदस्यों का आभार व्यक्त किया और सभी से गर्मी की ऋतु में पौधों को समय समय पर पानी और खाद देते रहने के लिए प्रेरित किया।

पौधे लगाने के साथ-साथ उनको पाल कर बड़ा करना सबसे महत्वपूर्ण दायित्व

Faridabad/Alive News

श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय में पौधारोपण के साथ विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया। कुलसचिव प्रो. ज्योति राणा ने खुद पौधा लगाया और सभी से पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर काफी संख्या में पौधे लगाए और विद्यार्थियों ने इन पौधों को पाल कर

बड़े करने का दायित्व लिया। कुलसचिव प्रो. ज्योति राणा ने कहा कि पौधे लगाना ही उद्देश्य नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें पाल पोस कर बड़ा करने का संकल्प जरूरी है। बिना देखभाल के हर साल असंख्य पौधे अपना अस्तित्व खो बैठते हैं। इसलिए विद्यार्थियों द्वारा पौधों को पालकर बड़ा करने का संकल्प प्रेरणादायी है। कुलसचिव प्रो. ज्योति राणा ने कहा हम सभी इस विशेष दिन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति सक्रियता और प्रतिबद्धता का दिन बनाएं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में पर्यावरण संरक्षण के लिए कदम उठाए जाएंगे। पौधारोपण, वन संरक्षण और ऊर्जा संरक्षण के साथ -साथ सब मिल कर प्लास्टिक मुक्त कैम्पस बनाने की दिशा में काम करेंगे। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के डीन एकेडमिक अफेयर्स प्रो. आर एस राठौड़, डीन एग्रीकल्चर प्रो. रणजीत सिंह, डीन प्रो. आशीष श्रीवास्तव, प्रो. ए के वाटल, उप कुलसचिव डॉ. ललित शर्मा के अलावा काफी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित थे।

स्वच्छता के प्रति ग्राम वासियों को किया जागरूक

Faridabad/Alive News

जिला फरीदाबाद में अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता के मार्गदर्शन में और एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद के नेतृत्व में गांव सागरपुर में हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के अंतर्गत स्वच्छता अभियान चलाया गया। स्वच्छता अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा स्वच्छता पर ध्यान देना और प्लास्टिक के बढ़ते अनावश्यक उपयोग को रोकने के प्रति जागरूक करना था। अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता ने कहा कि स्वच्छता मनुष्य के जीवन का पहला अहम् हिस्सा है। स्वच्छता से ही मनुष्य का शरीर स्वस्थ रहता है। इसलिए स्वच्छता के प्रति संपूर्ण भावना से मनुष्य को काम करना चाहिए। इसके लिए मनुष्य को अपने शरीर की साफ सफाई के साथ घर, कार्यालय और घर के आंगन तथा गली की भी

स्वच्छता में विशेष योगदान देना चाहिए। उन्होंने ग्राम वासियों से अनुरोध किया कि उन्हें घर में पैदा होने वाले कचरे को सबसे पहले घर में ही गीले और सूखे कचरे को अलग कर लेना चाहिए। उसके बाद गीले कचरे जैसे कि फल सब्जियों के छिलके आदि को अपने पशुओं को खिला देना चाहिए और सूखे कचरे जैसे प्लास्टिक की पन्नी बोतल आदि को सही तरीके से गांव से बाहर बने डंपिंग शेड में डंप कर देना चाहिए। ग्रामवासियों के इस योगदान से हम अपने ग्राम व देश को स्वच्छ रख सकते हैं। साथ ही ग्राम वासियों से अनुरोध किया कि भविष्य में धीरे-धीरे प्लास्टिक का कम से कम इस्तेमाल करना शुरू करें। उन्होंने बताया कि हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत आगामी 5 जून से लेकर 30 जून तक विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिसमें स्वच्छता अभियान, पौधरोपण, मुख्यमंत्री अंत्योदय परिवार उत्थान योजना-लघु मेला, निरोगी हरियाणा हेल्थ कैंप, तालाबों की सफाई, पोषण किट वितरण, खाना प्रतियोगिता, क्रिकेट मैच, खो-खो, कबड्डी प्रतियोगिता, गांव में रात्रि निवास के कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। एसडीएम बल्लभगढ़ त्रिलोक चंद ने ग्राम वासियों के साथ सफाई में योगदान देकर ग्राम वासियों को स्वच्छता की ओर प्रेरित किया। उन्होंने ग्राम वासियों के साथ मिलकर 100 किलो प्लास्टिक वेस्ट इकट्ठा करके प्लास्टिक वेस्ट सही से निपटान किया। उन्होंने ग्राम वासियों से आह्वान किया कि वह अपने बच्चों को भी स्वच्छता की ओर प्रेरित करें। इसके साथ ही उन्होंने आंगनवाड़ी केंद्र और तालाब का भी निरिक्षण किया। अभियान में सरपंच शकुंतला देवी, ग्राम सचिव विजयपाल, बीजेपी फरीदाबाद के प्रवक्ता विजेंद्र नेहरा, डीडीपीओ राकेश मोर सहित अन्य कई अधिकारीगण व ग्रामवासी मौजूद थे।

मानसून से पहले तालाबों की प्राथमिकता से सफाई करवाएं अधिकारी-डिप्टी सीएम

Faridabad/Alive News

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि मानसून शुरू होने से पहले अमृतसरोवर और मॉडल पॉन्ड्स की गाद निकाल लें, अन्यथा बारिश में सही तरीके से काम नहीं हो पाएगा। डिप्टी सीएम मंगलवार को यहां अपने कार्यालय में उचाना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले गांवों में बन रहे अमृतसरोवर और मॉडल पॉन्ड्स की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क के पास बने अमृतसरोवर और मॉडल पॉन्ड्स की रिटेनिंग-वॉल भी बनवाएं ताकि पानी के कटाव से सड़क को कोई नुकसान न पहुंचे। उन्होंने कहा कि काम में तेजी लाएं और मानसून से पहले ही अधिक से अधिक काम को निपटा लें, वरना बारिश के कारण काम पर असर पड़ सकता है। डिप्टी सीएम को अधिकारियों ने जानकारी दी कि उचाना विधानसभा में के 66 गांवों में 138 तालाबों का ÷अमृतसरोवर और मॉडल पॉन्ड्स÷ की कैटेगरी में काम चल रहा है। दुष्यंत चौटाला ने अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि इन योजनाओं से जहां ग्रामीण क्षेत्र के तालाबों की सफाई होगी, वहीं खेतों को सिंचाई के लिए पानी भी मिलेगा।

D. A.V. PUBLIC SCHOOL

Sector-49, Faridabad

Ph: 0129-2418539, 2415808

A SENIOR SECONDARY SCHOOL AFFILIATED TO C.B.S.E., NEW DELHI (AFF.No. 53018

(Under the Direct Control of D.A.V. College Managing Committee, New Delhi)

Email : dav_sec49@hotmail.com website : www.davsec49.org.in

Requires trained, experienced, computer savvy & fluent in spoken English teachers and Non-Teaching Staff, for the following posts.

Sr. No.	Designation	Subjects	Qualification
1	PGT	Physics	M.Sc. (Physics) & B.Ed.
2	PGT	Biology	M.Sc. (Biology) & B.Ed.
3	TGT	Sanskrit & Hindi	Graduation, B.Ed., CTET, HTET
4	Assistant	Graduation, with knowledge of typing. Computer knowledge of noting and drafting is essential.	

Note:
1. Candidates with English medium background need only apply.
2. Age Limit-40 years on 01.07.2023 for teaching posts only.
3. Application forms will be available from the school office between 9:00 A.M. to 1:00 P.M on all working days from 14.06.2023 to 21.06.2023.
4. Last date for submission of Application form, along with the attested copies of certificates / testimonials, is 22.06.2023
5. Schedule of interview / written test will be intimated through SMS/Telephone Call.
6. Only short listed candidates will be called for the interview process.

Principal

NEET result declare, official site

Faridabad/Alive News

National Testing Agency, NTA will declare NEET UG 2023 Result and NEET UG final answer key in due course of time. The date of time of release of result and final answer key has not been shared by the Agency yet. When released, candidates can check their scores and download final answer key through the official site of NTA NEET at neet.nta.nic.in.

This year NEET UG exam was conducted on May 7, 2023 at various exam centres across the country. The provisional answer key was released on June 4 and the last date to raise objections against the answer key was till June 6, 2023. Follow this blog for all the latest updates on NEET UG 2023 result date and time, direct link, cut off, toppers and other details.

After NEET results, candidates who qualify by scoring equal to or more than the required cut-off can apply for counselling. For all India quota, NEET counselling will be held by the Medical Counselling Committee (MCC) and respective state bodies will hold state quota NEET counselling.

UPSC Civil Services Prelims Result 2023 declared at upsc website

Faridabad/Alive News

UPSC Civil Services Prelims Result 2023 has been declared. Candidates can check the results through the direct link given below. Union Public Service Commission has declared UPSC Civil Services Prelims Result 2023. Candidates who have appeared for Civil Services preliminary examination can check their results through the official site of UPSC at upsc.gov.in. UPSC Civil Services Prelims Result 2023 declared at upsc.gov.in

The 3 toppers of prelims examination are - Agja Pranavkumar Govindbhai, Shokeen and Joshi Girja Preamshanker. The written examination was conducted on May 28, 2023 at various exam centres across the country. To check the results, candidates can follow the steps given below. Visit the official site of UPSC at upsc.gov.in. Click on UPSC Civil Services Prelims Result 2023 link available on the home page. A new PDF file will open where candidates can check the results. Download the page and keep a hard copy of the same for further need. Those candidates who have passed the preliminary examination are eligible to appear for the main exam. The main examination will be conducted on September 15, 2023. For more related details candidates can check the official site of UPSC.

Manav Sanskar School concluded Summer Camp in an entertaining way

Faridabad/Alive News

The ongoing summer camp came to an end at Manav Sanskar Public School. Many students grabbed the opportunity to get training in art, dance, yoga, Calligraphy, personality development, swimming and various other sports events. The experts trained the students to help them excel in their areas of interest. The students were involved in various activities which improved their learning, concentration, imagination and also the social skills. Various competitions were conducted at the final day so as to assess the students what they learnt. Students also made various art and craft items which were put up in the art and craft exhibition on the final day.The grand finale dance and yoga performances were the highlights of the show. The Director Yogesh Sharma and the Mentor Rama kaul said that the summer camp was an opportunity to adopt certain life skills while having fun. It provides a platform for the students to express themselves.

FMS Organised 'Police ki Pathshala'

Faridabad/Alive News

Faridabad Model School, Sector-31 organized "Police ki Pathshala" under the umbrella of the ongoing initiative "Haryana Uday". Taking yet another innovative initiative in the direction of public welfare, Chief Minister, Manohar Lal Khattar launched 'Haryana Uday', a Community Policing and Outreach Programme. The programme aims at strengthening community ties and promoting better relations among the district administration, law enforcement agencies and the public. 'Police ki Pathshala' is a campaign to develop awareness in adolescents and young students about law, citizen rights and responsibilities. The basic objective of this activity is to empower each young citizen of the society to understand the basic laws and help prevent further crimes in the society apart from protecting themselves. The session was addressed by Inspector Incharge Community Policing Ms. Savita and Additional SHO Sector- 31, Mr. Umesh Kumar of Sector-31 Faridabad branch. The officials interacted with the students and guided them about safety and security related issues like-cyber-crime, women safety, self-defense and help line numbers 112 and 1930. They informed regarding various safety precautions followed by case specific administrative measures to be taken. The officials also enlightened the students on the 'Consequences of Substance Abuse' which causes a lot of problems, including academic difficulties, health-related issues (including mental health), poor peer relationships, and involvement with the juvenile justice system. The session concluded with the address of FMS Director Principal Mr. Umang Malik who expressed his gratitude towards the police officials.

DAV School-NH-3 organized weekly summer camp

Faridabad/Alive News

DAV Public School, NH3, NIT Faridabad organized a fun filled Summer Camp from 22 May 2023 to 31 May 2023 in the school premises. Summer Camp purpose With an aim to revive, revitalize, rejuvenate and explore the hidden talent among students.

Around 300 students participated in the camp with great zeal and zest. Activities like Yoga, Aerobics, Cricket, Volleyball, Handball and Taekwondo were well thought-out to enhance the physical fitness. In order to bring out the creativity and unfold the hidden talent, sessions related to Archery, Music & amp, dance, Art & amp Craft

and Public Speaking were conducted. The training was provided by professional mentors. The camp focused on the development of social skills and promoting independence, resilience and teamwork among learners. Emphasis was not only laid upon speed, strength, flexibility, endurance and coordination ability in sports but the role of yoga and meditation was also highlighted.

The young cricketers were endowed with hands on experience by playing in the best cricket turf and pitches of Chandila Cricket Academy. The budding artists enjoyed Lippan Art, Bottle Art, Abstract Art, Newspaper Canvas Painting, Paper quilling , Key Chain and earring making.

In the closing ceremony, on 31 May 2023, a culmination programme was organized in which children danced, sang melodious songs, shared their experiences and displayed their take aways from the amusing summer camp. Each student was felicitated with a participation certificate.

The school Principal, Ms Jyoti Dahiya was elated to see the overwhelming response and enthusiasm of the students. She encouraged and motivated the students to follow their passion and utilize their vacations fruitfully. All the team mates and students were congratulated for their active participation and making summer camp super successful.

JC Bose introduces B.Sc. in Visual Communication and Multimedia Technology

Faridabad/Alive News

To cater to the growing demand for high-quality visual content for various media platforms , JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has introduced skill-oriented B.Sc. Degree Program in Visual Communication and Multimedia Technology. The Program is being started under the Department of Communication and Media Technology with an intake of 30 seats as per the provisions of the National Education Policy 2020. Detailing about the Program, the Chairperson of the Department of Communication and Media Technology, Dr. Pawan Singh said that the program is focused on the study of visual communication, including graphic design, typography, photography, and illustration. Students learn how to create effective visual messages and communicate ideas through various mediums. The program

will offer hands-on learning opportunities, including studio classes, workshops, and internships. Students will have access to state-of-the-art facilities and equipment, such as design and Animation software like Autodesk Maya, Blender, Pencil 2D, Adobe Animate etc., digital cameras, state of art Media Studio. In addition to visual communication, the program will also cover multimedia technology, including web design, animation, video production, and interactive media. Students will learn how to use the latest software and tools to create engaging multimedia content. The curriculum of the program is designed to meet the needs of the industry, with courses that cover topics such as branding, advertising, marketing, and user experience design. After completion of the program, students will be able to pursue careers in the industry including animation and graphics, gaming, advertising, marketing, publishing, web design, multimedia production, and filmmaking. They can also work as graphic designers, web developers, multimedia specialists, art directors, animators and 3D Editors. The admissions are open for various other courses under the Department of Communication and Media Technology including B.Sc., B.A., Bachelor of Social Work, and M.A. (Journalism and Mass Communication). The admission portal will remain open up to June 06, 2023.

Printed, Published & Owned By : Tilak Raj and Printed at The M/s AGS Publication, D-67, Sector-6, Noida, U.P. -201301, From 547, Nangla Enclave, Part-1, N.I.T., Faridabad(Hr.), Editor : Tilak Raj, Ph : 0129-4070270, 9891639448